मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 162
बुधवार, 24 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एसआईआरः एमपी, केरल, छत्तीसगढ़ और अंडमान में मसौदा सूची जारी, करीब 93 लाख मतदाताओं के नाम लिस्ट से हटे

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में मंगलवार को ड्राफ्ट मतदाता सूची को प्रकाशित कर दिया गया। इन तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मसौदा सूची से करीब 95 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

केरल में 2.78 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 24.08 लाख नाम हटाए गए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में कुल 2.12 करोड़ मतदाताओं में से 27.34 लाख के नाम ड्राफ्ट सूची से बाहर कर दिए गए हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 5.74 करोड़ मतदाताओं में से 42.74 लाख नाम ड्राफ्ट सूची से बाहर किए गए हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कुल 3.10 लाख मतदाताओं में से लगभग 64 हजार के नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से हटे हैं, वे अब भी फिर से शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी और इस पर अंतिम निर्णय निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी लेंगे।

केरल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार किया गया मतदाता सूची का मसौदा मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने प्रकाशित किया, जिसमें से 24 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के गणना चरण के पूरा होने के बाद मसौदा सूची में 2,54,42,352 मतदाताओं को शामिल किया गया है, जबकि 24,08,503 मतदाताओं के नाम

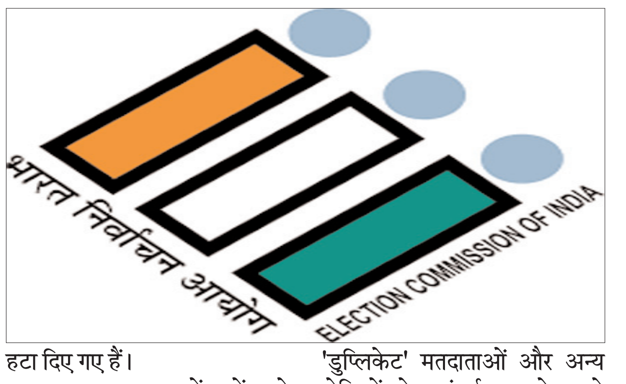

हटा दिए गए हैं।

हटाए गए नामों में से 6,49,885 मृत मतदाता हैं, 6,45,548 मतदाताओं का पता नहीं लगाया जा सका और 8,16,221 मतदाताओं की पहचान उनके पंजीकृत पते से स्थायी रूप से स्थानांतरित होने के रूप में की गई। इसके अतिरिक्त, 1,36,029 'डुप्लिकेट' मतदाताओं और अन्य श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले 1,60,830 मतदाताओं की पहचान की गई।

पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले केरल की मतदाता सूची में 2,78,50,855 मतदाता थे। मतदाता सूची से हटाए गए नामों का प्रतिशत 8.65 है। मसौदा सूची से संबंधित आपत्तियां और शिकायतें 22 जनवरी तक जमा की जा सकती हैं और अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी। आयोग द्वारा जारी की गई एसआईआर मतदाता सूची में 42.74 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में कुल 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 निर्वाचकों में से 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 निर्वाचकों ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए हैं। मसौदा सूची से जो 42 लाख से अधिक नाम काटे गए हैं। उसमें 31.51 लाख मतदाता शिफ्ट हो गए या अनुपस्थित मिले। वहीं 8.46 लाख मतदाता मृत पाए गए। इसके अलावा 2.77 लाख मतदाताओं के एक से अधिक जगहों पर नाम पाए गए।

मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि कुछ निर्वाचक ऐसे रहे, जिनसे गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके। इसके पीछे कई कारण रहे। निर्वाचक का अन्य राज्य में पंजीकरण, व्यक्ति का अस्तित्व में न होना, समय सीमा तक प्रपत्र जमा न करना अथवा स्वयं मतदाता का पंजीकरण में रुचि न लेना। इसके अलावा, एक से अधिक स्थानों पर नामांकित पाए गए निर्वाचकों का नाम केवल एक स्थान पर ही रखा जाएगा। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का विस्तृत ब्यौरा सामने आया है।

कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा पर लगाई रोक, रखीं ये शर्तें

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार (23 दिसंबर) को उन्नाव बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित कर उन्हें जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सेंगर को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के तीन जमानती पेश करने पर रिहा करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने सेंगर को पीड़िता के घर के 5 किलोमीटर के दायरे में न आने और न ही उसे या उसकी मां को धमकी देने का निर्देश दिया, और जमानत अवधि के दौरान दिल्ली में ही रहने को कहा। अदालत ने चेतावनी दी कि शर्तों का उल्लंघन करने पर जमानत रद्द कर दी जाएगी। अदालत ने कहा, किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर जमानत रद्द कर दी जाएगी। सेंगर की सजा को दिसंबर 2019 में बलात्कार मामले में दोषी ठहराए गए निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी अपील के निपटारे तक निलंबित रखा गया है। अदालत ने कहा कि निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर उच्च न्यायालय का फैसला आने तक जमानत प्रभावी रहेगी। यह मामला 2017 में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार से संबंधित है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर, इस मामले और संबंधित मामलों की सुनवाई 1 अगस्त, 2019 को उत्तर प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरित कर दी गई थी।

दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन, तोड़े गए बैरिकेड्स

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मयमनसिंह में इस्लामी भीड़ द्वारा एक हिंदू व्यक्ति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के विरोध में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर एक बड़ा प्रदर्शन हो रहा है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) कर रही है। दिल्ली पुलिस ने एहतियात के तौर पर उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। कुछ प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बैरिकेड तोड़ते हुए देखा गया, जिन्हें बाद में पुलिस ने काबू कर लिया।

घटनास्थल पर जमा भीड़ ने सुरक्षा के लिए लगाए गए पुलिस बैरिकेड्स को हटाने का भी प्रयास किया। प्रदर्शनकारी ढाका में हुई घटना की निंदा करते हुए नारे लगा रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन

में भाग ले रहे हैं। हालांकि, विरोध प्रदर्शन की आशंका में सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं। दिल्ली पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है।

पिछले सप्ताह मयमनसिंह के बलुका इलाके में एक भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मार डाले गए 25 वर्षीय कपड़ा कारखाने के मजदूर दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में पूरे भारत में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। उन पर ईशनिंदा का आरोप था। हमले के बाद उनके शव को जला दिया गया। पुलिस ने रविवार को इस मामले में दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया। डेली स्टार के अनुसार, पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के सूत्रों का हवाला देते हुए, हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने मोतालेब शिकदर को सिर में गोली मार दी, जिससे वह हाल के दिनों में बांग्लादेश के 2024 के हिंसक छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह से जुड़े दूसरे नेता बन गए हैं जिन्हें निशाना बनाया गया है। यह हमला दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुआ, प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ ही दिनों बाद।

हिंदू-विरोधी हिंसा के खिलाफ वाराणसी में उबाल, बांग्लादेश पर प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग

◆ **बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हो रही हिंसा आकस्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संरक्षण में चल रही हिंदू-निर्मूलन की प्रक्रिया है : अजीत सिंह**

सुरेश गांधी

वाराणसी. बांग्लादेश में हिंदू समाज के विरुद्ध लगातार बढ़ती हिंसा अब केवल पड़ोसी देश की आंतरिक समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और सभ्य विश्व की सामूहिक चेतना पर सीधा आघात बन चुकी है। मयमनसिंह क्षेत्र में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को कट्टरपंथी भीड़ द्वारा पेड़ से बांधकर जिंदा जलाए जाने की अमानवीय घटना ने पूरे भारत को झकझोर दिया है। इसके साथ ही हिंदू घरों, दुकानों और मंदिरों को सुनियोजित ढंग से जलाया जाना इस बात का प्रमाण है कि बांग्लादेश में हिंदू-विरोधी हिंसा अब एक संगठित और योजनाबद्ध अभियान का रूप ले चुकी है।इसी पृष्ठभूमि में वाराणसी के हिंदू संगठनों ने सशक्त विरोध दर्ज कराते हुए केंद्र सरकार से निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। हिंदू जनजागृति समिति के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा बांग्लादेश के उच्चायुक्त के नाम से ज्ञापन अपर जिलाधिकारी आलोक वर्मा को सौंपा गया। इस दौरान वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा सहित अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।ज्ञापन में पत्र में अजीत सिंह बग्गा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हो रही हिंसा आकस्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संरक्षण में चल रही ह्यहिंदू-निर्मूलनह्न की प्रक्रिया है। जनगणना के आंकड़े इस भयावह सच्चाई की गवाही देते हैं, 1941 में जहां बांग्लादेश में हिंदू आबादी 28 प्रतिशत थी, वहीं आज यह सिमटकर मात्र 7 से 8 प्रतिशत रह गई है। यह केवल जनसंख्या में गिरावट नहीं, बल्कि अस्तित्व पर किया गया सुनियोजित प्रहार है। अजीत सिंह बग्गा ने बांग्लादेश के कट्टरपंथी और आतंकवादी गुटों के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई, आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध लगाने, तथा राजनीतिक दबाव बनाने की मांग की। उनका कहना है कि ढाका में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा को बांग्लादेश सरकार अनदेखा कर रही है, जबकि प्रत्यक्ष वीडियो, साक्ष्य और अंतरराष्ट्रीय मीडिया इस सच्चाई को उजागर कर चुके हैं।ज्ञापन में भारत-बांग्लादेश समझौतों के तहत अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में फैक्ट-फाइंडिंग मिशन भेजने, उत्पीड़ित हिंदुओं के लिए नागरिकता और पुनर्वास नीति बनाने, मंदिरों व धार्मिक संपत्तियों का संयुक्त सर्वेक्षण कराने तथा बांग्लादेशी हिंदू समाज से सीधा संवाद तंत्र स्थापित करने जैसी ठोस मांगें रखी गईं।

मुर्शिदाबाद हिंसा मामलाः पिता-पुत्र की हत्या मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, 13 दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

कोलकाता, 23 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुए हिंसा के मामले में बंगाल की एक अदालत ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने व्यक्ति और उसके बेटे की भीड़ द्वारा हत्या (लिंचिंग) के मामले में 13 लोगों को उम्रकैद की सजा दी है। यह मामला वक्फ (संशोधन) कानून के विरोध के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है। इस मामले की सुनवाई जंगीपुर की फास्ट-ट्रैक कोर्ट में हुई। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि मृतकों के परिवार को 15 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।

बता दें कि ये पूरा मामला तब का है जब 12 अप्रैल को समसेरगंज थाना क्षेत्र के जाफराबाद गांव में हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास की उनके ही घर में भीड़ ने हत्या कर दी थी। उस समय जिले में वक्फ

कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन चल रहे थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि स्थिति संभालने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात करना पड़ा था।

ऐसे में घटना के आठ महीनों के बाद जंगीपुर की फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने मामले के 13 आरोपियों को हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने सभी दोषियों को डकैती के लिए 10 साल, घर में जबरन घुसने के लिए 10 साल और दंगे में शामिल होने के लिए 5 साल की अतिरिक्त सजा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

वहीं मामले में विशेष लोक अभियोजक बिवास चटर्जी ने बताया कि यह देश का दूसरा और पश्चिम बंगाल का पहला ऐसा मामला है, जिसमें लिंचिंग के केस में सजा हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार से दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की गई थी, क्योंकि यह 'दुर्लभ से दुर्लभ' मामला है। अब राज्य सरकार तय करेगी कि इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करनी है या नहीं।

हालांकि फैसले के बाद मृतक हरगोबिंद दास की पत्नी पारुल दास ने कहा कि वे इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि तीन दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए, क्योंकि उन्हीं की मुख्य भूमिका थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के साथ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे हाईकोर्ट जाएंगी।

वहीं शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा परिवार को कानूनी मदद देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन मुख्य आरोपियों पर लगे आरोपों को जांच के दौरान कमजोर कर दिया गया। उनका कहना है कि जांच के लिए बनाई गई एसआईटी (विशेष जांच टीम) मुख्य दोषियों को कड़ी सजा दिलाने में नाकाम रही।

मनरेगा के मूल उद्देश्य को कमजोर कर रहा केंद्र, किसान मजदूर संघर्ष समिति ने लगाए आरोप

पंजाब। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के नेता सतनाम सिंह पन्नू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को कमजोर किया जा रहा है और ग्रामीण एवं श्रमिक वर्ग के परिवारों के लिए आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल उद्देश्य से भटकाया जा रहा है।

पन्नू ने कहा कि 2005 में शुरू होने के बाद से एमजीएनआरईजीए एक अधिकार-आधारित कार्यक्रम के रूप में कार्य करता रहा है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा किए गए हालिया परिवर्तनों ने इसकी संरचना को बदल दिया है।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

-ललित गर्ग

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें ह्यआयुषह्व के नाम से जाना जाता है; ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है।

आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करता है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात कायचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भांति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और हवा जैसी प्राकृतिक तरीकों से शरीर की स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार हमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिग्पा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे ह्यतिब्बती चिकित्साह्व के नाम से भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यवहारिक विकल्प के रूप में उभरती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह आँकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि पारंपरिक चिकित्सा केवल विकासशील देशों तक सीमित है। वास्तव में विकसित देशों में भी योग, आयुर्वेदिक उपचार, हर्बल औषधियाँ और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है। पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया ह्यआयुष मार्कह्व एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालांकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दावे और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु आयुष मार्क जैसी पहलें और वैज्ञानिक अनुसंधान के बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके। आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

क्यों नहीं सुनाई देती बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यक की पुकार?

-सुरेश गांधी

बांग्लादेश का आज का अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय अपनी पहचान और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। पीढ़ियों से वहां बसे हिंदुओं को कथित धार्मिक आरोप, भीड़ हिंसा, स्थानीय विवाद, ईशनिंदा के झूठे आरोप और समुदाय-आधारित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। इन घटनाओं के चलते कई परिवारों को घर छोड़ कर भागना पड़ा, उनकी आजीविका नष्ट हुई, मंदिरों पर हमले और धार्मिक स्थलों का अपमान हुआ, और सामाजिक सुरक्षा गंभीर रूप से कमजोर पड़ी है। इस संकट के बावजूद, भारत सरकार, मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियां, मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इतनी मुखर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दिख रही, यह आज एक बड़ा चर्चा-विषय है। खास यह है कि बांग्लादेश में हिन्दू युवक दीपू दास की मॉब लिंचिंग के बाद तनाव बढ़ गया है. 18 दिसंबर को उसे झूठे आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था. दीपू दास कपड़ा फैक्ट्री में काम करता था और उस पर ईश निंदा का गलत आरोप लगाया गया था. इस घटना के विरोध में भारत और बांग्लादेश दोनों देशों में हिन्दू समुदाय सड़कों पर आकर इंसाफ की मांग कर रहा है. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं, जिस कारण स्थानीय लोगों में रोष फैल रहा है.

1947 के विभाजन के समय पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में हिंदुओं की आबादी लगभग 30 प्रतिशत थी। 1971 में आजादी के वक्त भी उनकी संख्या उल्लेखनीय थी। लेकिन 80 के दशक में हालात बदले। जनरल जिया उर रहमान और बाद में जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के शासनकाल में बांग्लादेश के संविधान से सेक्यूलर भावना को कमजोर किया गया। इस्लाम को राज्य धर्म घोषित किया गया और संविधान में बिस्मिल्लाह-इर-रहमान-इर-रहीम जोड़ा गया। यहीं से धार्मिक पहचान को राजनीति का औजार बनाने की प्रक्रिया तेज हुई। आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों की सबसे बड़ी वजह इस्लामिक कट्टरपंथ और राजनीतिक अस्थिरता है। अंतरिम सरकार कमजोर है, प्रशासनिक पकड़ ढीली है। कट्टरपंथी समूहों को खुली छूट मिल रही है। हिंदुओं को ह्लभारत समर्थकह्व और ह्लबाहरीह्व बताकर निशाना बनाया जा रहा है। जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां बांग्लादेश को एक शुद्ध इस्लामिक राष्ट्र के रूप में देखती हैं। उनकी सोच में हिंदुओं के लिए न नागरिकता की जगह है, न सुरक्षा की गारंटी।

बांग्लादेशी समाज आज साफ तौर पर दो हिस्सों में बंटा दिखता है, संवैधानिक सोच वाला वर्ग, जो मानता है कि हिंदू भी इसी देश के नागरिक हैं और उन्हें समान अधिकार मिलने चाहिए। कट्टरपंथी सोच, जो हिंदुओं को देश से बाहर करना चाहता है और हिंसा को जायज मानता है। दुर्भाग्य यह है कि दूसरी सोच ज्यादा मुखर और हिंसक होती जा रही है। हालिया घटनाओं में दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। ईशनिंदा के झूठे आरोप में एक युवा हिंदू को पीट-पीटकर मार दिया गया, पेड़ से लटकाया गया और फिर शव जला दिया गया। बांग्लादेश की प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने इसे खुला जिहादी अपराध बताया। उनका सवाल सीधा है, अब दीपू के परिवार का क्या होगा? क्या सरकार उस परिवार के लिए कुछ करेगी? तस्लीमा नसरीन पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले कोई नई बात नहीं हैं। उनकी किताब लज्जा बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हुए हिंदू-विरोधी दंगों की सजीव गवाही है।

बता दें, 2025 में बांग्लादेश के विभिन्न स्थानों पर हिंदू समुदाय पर लक्षित हमलों की नई श्रृंखलाएँ देखी गईं: डिपु चन्द्र दास की हत्या (18 दिसंबर 2025): एक हिंदू युवक को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने बेरहमी से मार डाला और शव को आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने दस लोगों को गिरफ्तार किया है। गंगाचारा हमला (26 - 27 जुलाई 2025): रांगपुर जिले के इस उप-क्षेत्र में हिंदू परिवारों के घरों को तोड़ा, लूटा और कई लोग भय के कारण पलायन करने को मजबूर हुए। झूठे ईशनिंदा आरोप: जून 2025 में लालमनिरहाट जिले में एक 69 वर्षीय हिंदू बुजुर्ग नाई को झूठे ईशनिंदा आरोप में भीड़ ने पीटा, जिससे स्पष्ट होता है कि ऐसे आरोप अल्पसंख्यक समुदायों पर उत्पीड़न का नया हथियार बन रहे हैं। कई जगह मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं पर निशाना बनाया गया, वहां आग लगाई गयी और धार्मिक प्रतीकों को अपमानित किया गया। आज बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी घटकर 7 से 8 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल जनसंख्या का आंकड़ा नहीं, बल्कि डर, पलायन, हिंसा और राज्य की उदासीनता का परिणाम है। हिंदू आज अपने ही देश में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

हिंसा के पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश के संकेत भी सामने आ रहे हैं। बांग्लादेशी पत्रकारों के अनुसार पाकिस्तान की आईएसआई ने ढाका में एक सीक्रेट सेल सक्रिय किया है, जो जमात-ए-इस्लामी को सत्ता में लाने के लिए माहौल बना रहा है। ड्रग्स तस्करी, नकली नोट और अराजकता के जरिए देश को अस्थिर किया जा रहा है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा उसी साजिश की कड़ी मानी जा रही है। इन हमलों के खिलाफ स्थानीय समुदायों और कुछ संगठनों ने विरोध प्रदर्शन भी किये हैं। कुछ धार्मिक संस्थानों ने इस मुद्दे को उठाया है। इस्कॉन कोलकाता ने हिंदुओं के खिलाफ नियमित हत्या और जबरन धर्मांतरण का आरोप लगाया है तथा अंतरराष्ट्रीय चुप्पी पर सवाल उठाया है। लालमनिरहाट तथा कुछ जिलों में हिन्दू समुदायों ने जमीन खोने और अपनी आजीविका नष्ट होने का अनुभव किया। 2022 की जनगणना के अनुसार, बांग्लादेश में लगभग 13.1 मिलियन हिंदू रहते थे, जो कुल आबादी का लगभग 7.95 फीसदी है। अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले सहित हिंसा के कई मामलों की पुष्टि सरकारी और सोशल मीडिया रिपोर्टों में की गई है।

उच्चस्तरीय हिंसा और सामाजिक असुरक्षा के कारण 2020 के दशक में बने संकट के बीच कई हिंदू परिवारों को पलायन की राह पकड़नी पड़ी। ये लोग न सिर्फ अपनी संपत्ति और जमीन खो बैठे, बल्कि कई बार अपनी पहचान और सुरक्षा भी खो बैठे। हालांकि हाल ही में भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या पर अपनी चुप्पी थोड़ी तोड़ी और बांग्लादेश सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। कुछ राजनीतिक और सामाजिक नेताओं ने भी केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की है, लेकिन यह प्रतिक्रिया व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का रूप नहीं ले पाई है। व्यापक राजनीतिक दलों की चुप्पी को लेकर आलोचना जोरों पर है कि केवल कुछ नेताओं या संगठनों के बयान ही केंद्रित हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निमार्ता पर्याप्त संकल्प नहीं दिखा रहे हैं। भारत के मुख्यधारा मीडिया में फिलिस्तीन, इस्राएल-फिलिस्तीन संघर्ष पर विशेष कवरेज देखा जाता है। लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों की नियमित, गंभीर और निरंतर रिपोर्टिंग अक्सर सीमित या साइडलाइन में रहती है। इस अंतर को लेकर आलोचना सामने आई है कि मीडिया चयनात्मक संवेदना का परिचय दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मंचों पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर विशिष्ट या लगातार कार्रवाई की कोई प्रमुख पहल सामने नहीं आई है। यह एक बड़ा सवाल बनता है, क्या अल्पसंख्यक समुदाय के उत्पीड़न को वैश्विक स्तर पर पर्याप्त ध्यान और गंभीरता से नहीं लिया जा रहा? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कोलकाता में स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की समस्या बहुत गंभीर है और भारतीय समाज तथा वैश्विक हिंदुओं को इसमें मदद करनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए, और यह कि भारत सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि हर बार प्रतिक्रियाओं में कुछ तो खुलासा और कुछ छिपा रहता है, लेकिन कुछ न कुछ करना होगा, इस संकेत के साथ उन्होंने केंद्र सरकार पर सक्रिय भूमिका की अपेक्षा जताई है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है, क्या भारत सरकार कुछ कर सकती है? आगे क्या संभावनाएँ हैं? यहाँ कुछ स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं जो भारत सरकार के विकल्प हो सकते हैं:

1. कूटनीतिक दबाव और वाताः- भारत निदेशक-स्तर की सैन्य, कूटनीतिक तथा व्यापारिक दबाव का उपयोग कर सकता है ताकि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यह उच्चस्तरीय राजनयिक संवाद और संयुक्त बयानबाजी के जरिए भी किया जा सकता है।

2. 2. संयुक्त राष्ट्र में सक्रिय पहलः भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और मानवाधिकार परिषद में उपस्थिति के माध्यम से परिस्थितियों को उद्घाटित, धार्मिक उत्पीड़न के खिलाफ प्रस्ताव पेश और मानवाधिकार निगरानी का आह्वान कर सकता है।

3. 3. मानवतावादी सहायता और शरण नीतिः भारत प्रभावित हिंदू परिवारों को मानवतावादी सहायता, शरण तथा पुनर्वास संबंधी नीतियां प्रदान कर सकता है, ताकि अल्पसंख्यकों को सुरक्षित आसरा मिल सके।

4. मीडिया और जन-जागरूकता अभियानः सरकार और समाज को मिलकर जन-जागरूकता अभियान, रिपोर्टिंग और संलग्नता बढ़ानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा लगातार बना रहे।

मतलब साफ है बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा और उत्पीड़न कई स्तरों पर चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील है। स्थानीय तनाव, धार्मिक आरोप, राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक असुरक्षा ने इस समस्या को जटिल रूप दिया है। हालांकि भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन व्यापक कूटनीतिक, वैश्विक मानवाधिकार मंचों पर और संयोजित राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता आज भी बनी हुई है। मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान इस दिशा में एक स्पष्ट संकेत हैं कि ह्लकुछ न कुछ किया जाना चाहिएह्व, परंतु नीति-निमार्ताओं और समाज को मिलकर व्यापक, संगठित और निरंतर प्रयास की आवश्यकता है, ताकि पीड़ित अल्पसंख्यकों की दर्दनाक पुकार का समाधान हो सके। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मानवाधिकार संगठनों की आवाज इतनी धीमी क्यों है? पश्चिमी देश, जो लोकतंत्र और अल्पसंख्यकों की बात करते हैं, बांग्लादेश के हिंदुओं पर चुप क्यों हैं? जब कहीं और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है, तो अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय हो जाते हैं। लेकिन बांग्लादेशी हिंदुओं के मामले में यह चुप्पी चिंता पैदा करती है। मतलब साफ है बांग्लादेश आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वह केवल उसका आंतरिक संकट नहीं है। यह पूरे उपमहाद्वीप की स्थिरता से जुड़ा सवाल है। यदि कट्टरता, राजनीति और हिंसा का यह सिलसिला नहीं रुका, तो बांग्लादेश अपने 1971 के सेक्यूलर सपने से और दूर चला जाएगा। हिंदुओं की सुरक्षा केवल बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि मानवता और लोकतंत्र की वैश्विक परीक्षा है। अब देखना यह है कि दुनिया केवल वीडियो देखेगी या सच में कुछ बोलेगी।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार अब किसी एक घटना या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे, बल्कि यह एक लगातार गहराता मानवीय संकट बन चुका है। मंदिरों पर हमले, झूठे ईशनिंदा आरोपों के नाम पर हत्याएं, घर-जमीन पर कब्जा, सामाजिक बहिष्कार और भय के वातावरण में जीने को मजबूर हिंदू समुदाय, यह तस्वीर किसी एक दशक की नहीं, बल्कि बांग्लादेश के गठन के बाद से चली आ रही एक त्रासदी की निरंतरता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस पीड़ा पर वैश्विक, राष्ट्रीय और सामाजिक स्तर पर लगभग मौन पसरा हुआ है। भारत सरकार की प्रतिक्रिया सीमित है, विपक्षी दलों की आवाज नदारद है, मुख्यधारा मीडिया इसे हाशिये की खबर बनाकर छोड़ देता है और संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच भी गंभीर हस्तक्षेप से बचते नजर आते हैं। धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाएं, जो मानवता और नैतिकता की बात करती हैं, वे भी असहज चुप्पी साधे हुए हैं। इस चुप्पी के बीच बांग्लादेश से हिंदुओं का तेजी से हो रहा पलायन इस बात का प्रमाण है कि हालात कितने असहनीय हो चुके हैं। हालिया दिनों में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान इस मुद्दे को फिर केंद्र में लाता है और एक बड़ा सवाल खड़ा करता है, क्या भारत सरकार चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रही, या फिर यह राजनीतिक-कूटनीतिक विवशता है? यही सवाल इस पूरे विमर्श की धुरी है, 1971 में जब बांग्लादेश ने जन्म लिया, तब वह केवल एक नया राष्ट्र नहीं था, बल्कि एक विचार था - भाषा, संस्कृति और पहचान की लड़ाई का विचार। यह संघर्ष धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि बंगाली बनाम पाकिस्तानी वर्चस्व के खिलाफ था। उसी संघर्ष से निकला बांग्लादेश अपने संविधान में सेक्यूलर मूल्यों को लेकर आगे बढ़ा। लेकिन पांच दशक बाद आज वही देश धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक अस्थिरता और अल्पसंख्यकों के प्रति बढ़ती हिंसा की आग में झुलस रहा है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता बांग्लादेशी हिन्दूस ने केवल एक हैशटैग नहीं, बल्कि उस पीड़ा की गूंज है, जिसे दुनिया सुन तो रही है, लेकिन देख कर भी अनदेखा कर रही है

बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम पर विश्व की बेशर्म खामोशी

-संजय सक्सेना

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को जबरदस्ती गिराने के बाद वहां हिंदू समुदाय पर हो रही बर्बरता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। हिन्दुओं पर अत्याचार के मामले में बांग्लादेश भी पाकिस्तान की राह पर चलता नजर आ रहा है। हसीना की सरकार जाने के बाद बांग्लादेश में करीब दो सौ हिंदुओं की हत्या हो चुकी है, उनकी करोड़ों की संपत्ति लूटी जा चुकी है और हिंदू लड़कियों व महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार जैसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं। भारत सरकार के पास इस संकट से निपटने के लिए कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुप्पी ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि बड़े देश और मीडिया क्यों इस पर गंभीर नहीं हो रहे। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाने के बाद अगस्त 2024 से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले तेज हो गए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त से फरवरी 2025 तक इक्कीस हिंदुओं की हत्या हुई और एक सौ बावन मंदिरों पर हमले किए गए। पिछले दो महीनों में ही 76 घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें लूटपाट, घरों पर आगजनी और महिलाओं पर अत्याचार शामिल हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया कि 281 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ और एक सौ तिरासी हिंदुओं की हत्या कर दी गई। हाल ही में दीपू दास नामक हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूठे आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला, जबकि वहां की पुलिस कह रही है कि उसके पास दीपू दास के खिलाफ ईशनिंदा का कोई सबूत नहीं है, जिससे भारत में जन आक्रोश फैल गया। इन घटनाओं ने साबित कर दिया कि वहां कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं।

जहां तक भारत सरकार क्या कदम उठा सकती है, इसकी बात की जाए तो हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार सबसे पहले बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बना सकती है। उच्च स्तरीय वाताओं के जरिए बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के ठोस कदम उठाने की मांग की जा सकती है, जैसा कि विदेश सचिव की यात्रा में किया गया। दूसरे विकल्प के रूप में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना संभव है, जहां बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बन सके। तीसरा, मानवीय सहायता कार्यक्रम शुरू करके हिंदुओं को भोजन, चिकित्सा और शरण प्रदान की जा सकती है। चौथा, बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों पर नजर रखी जा सकती है और उनके भारत-विरोधी एजेंडे को रोकने के लिए दबाव बनाया जा सकता है। पांचवां विकल्प आर्थिक निर्भरता का इस्तेमाल है, क्योंकि बांग्लादेश भारत से ईंधन, बिजली, कपास, दवाइयां और खाद्यान्न मंगाता है। इनकी आपूर्ति पर शर्तें लगाकर या अस्थायी रोक लगाकर दबाव बनाया जा सकता है, बिना आम जनता को ज्यादा नुकसान पहुंचाए। छठा, सीमा पर सुरक्षा बढ़ाकर हिंदू शरणार्थियों को सुरक्षित प्रवेश देकर उनकी सहायता की जा सकती है। ये सभी कदम क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखते हुए प्रभावी साबित हो सकते हैं। वैसे मोदी सरकार पहले ही बांग्लादेश के साथ अपनी चिंताएं साझा कर चुकी है और उच्चायोग वहां स्थिति पर नजर रख रहा है। दिसंबर 2024 में बांग्लादेश ने कहा कि 1282 घटनाओं की जांच में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन ये कदम अपर्याप्त हैं, क्योंकि हिंसा थम नहीं रही। भारत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए दोनों देशों के हिंदू-मुस्लिम समुदायों में भाईचारा बढ़ा सकता है। साथ ही, व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की शर्त पर अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांध सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य सहायता या संयुक्त अभियान की तैयारी भी रखी जा सकती है, हालांकि फिलहाल कूटनीति को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि बांग्लादेश की आम जनता पर बोझ न पड़े। ये विकल्प भारत की मानवीय प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

पूरे घटनाक्रम में अंतरराष्ट्रीय मीडिया और बड़े देशों की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल है। संयुक्त राष्ट्र ने हिंसा पर चिंता जताई और महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नस्लीय हमलों की निंदा की, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पश्चिमी देश जैसे अमेरिका और ब्रिटेन ने कुछ बयान दिए, लेकिन वे कमजोर रहे। अमेरिकी सांसदों ने दीपू दास हत्याकांड की निंदा की, पर व्यापक विरोध नहीं हुआ। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच चुप हैं, जबकि अन्य संकटों पर वे मुखर रहते हैं। इसका कारण धार्मिक पूर्वाग्रह माना जा रहा है, क्योंकि हिंदू पीड़ित होने पर वैश्विक सहानुभूति कम मिलती है। उधर, पश्चिमी मीडिया ने हिंसा को कमतर आंका या फर्जी खबरों का हवाला देकर टाला। बीबीसी जैसे चैनलों ने सोशल मीडिया पोस्ट को झूठा बताया, जबकि घटनाएं सिद्ध हैं। अमेरिका की चुप्पी शेख हसीना विरोध से जुड़ी है, जिन्हें उन्होंने तानाशाह कहा था। यूरोपीय देशों ने भी हसीना की धर्मनिरपेक्ष छवि को नकार दिया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी पुरानी सरकार पर उंगली उठाई गई, वर्तमान हिंसा पर कम जोर। यह दोहरा मापदंड हिंदुओं के खिलाफ वैश्विक उपेक्षा को दशार्ता है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के चलते हिंदू आबादी घट रही है और कट्टर ताकतें मजबूत हो रही हैं। ऐसे में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कूटनीति से आगे बढ़कर आर्थिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाना जरूरी है। दुनिया के अन्य देश विरोध में मुखर नहीं हो रहे क्योंकि उनके हित मुस्लिम बहुल देशों से जुड़े हैं। लेकिन भारत की मजबूत नीति से स्थिति सुधर सकती है। हिंदू समुदाय की सुरक्षा न केवल पड़ोसी का कर्तव्य है, बल्कि सभ्यता का प्रश्न है। सरकार के विकल्पों का सही इस्तेमाल ही बांग्लादेश में शांति ला सकता है।

राहुल गांधी को गंभीरता से न लेना, भूल तो नही?

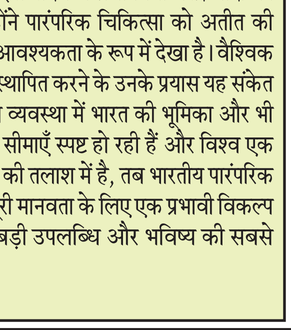

-विक्रम दयाल

यह एक महत्वपूर्ण बात है। राहुल गांधी को गंभीरता से न लेना एक आम बात हो गई, लेकिन यह एक भूल होगी। राहुल गांधी इस समय एक अनुभवी राजनेता है, और उनकी बातों को हल्के में नही लिया जा सकता। राहुल गांधी की राजनीति में एक लंबा अनुभव है और उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय रखी है। उनकी बातों को सुनना और समझना आवश्यक है, भले ही हम उनकी बातों से सहमत न हों। इसलिए राहुल गांधी को गंभीरता से लेना आवश्यक है, और उनकी बातों को समझने की कोशिश करनी चाहिए। एक नेता के तौर पर राहुल गांधी के बढ़ते कदः राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। 2004 में राजनीति में प्रवेश करने के बाद, उन्होंने अमेठी से लोकसभा चुनाव जीता और बाद में वायनाड से भी चुनाव लड़े। 2017 में, उन्होंने कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष पद संभाला, लेकिन 2019 के आम चुनाव में पार्टी की हार के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया। हाल के वर्षों में, राहुल गांधी की छवि में बदलाव आया है, खासकर उनकी ह्यभारत जोड़ो यात्राह्व के बाद। इस यात्रा ने उन्हें एक नये अवतार में पेश किया है, जो देश को जोड़ने और सामाजिक- आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की बात करते हैं। राहुल गांधी कि बढ़ती लोकप्रियता के कुछ कारण हैं:- युवा नेतृत्वः राहुल गांधी एक युवा नेता है, जो युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं। सामाजिक मुद्दों पर ध्यानः उन्होने सामाजिक- आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है, जैसे कि महंगाई बेरोजगारी। कांग्रेस पार्टी का पुनरुद्धारः उनकी नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने कुछ राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत जोड़ो यात्राः इस यात्रा ने उन्हें एक नये अवतार में पेश किया है, जो देश को जोड़ने की बात करते है। अक्सर मीडिया और पक्षीय लोगों के बीच की दूरी कई बार हास्यास्पद लगती है। एक तरफ मीडिया को चौथे स्तंभ के रूप में देखा जाता है, जो सरकार और पक्षों की निगरानी करता है। लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि मीडिया और पक्षीय लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पक्षीय लोग अपने एजेंडों को बढ़ावा देने के लिए मीडिया का उपयोग करते हैं, जबकि मीडिया अपने दर्शकों और पाठकों को आकर्षित करने के लिए पक्षीय लोगों की बातों को प्रमुखता देता है। यह दूरी कई बार इतनी कम हो जाती है कि दर्शक और पाठक को यह समझने में मुश्किल होता है कि कौन सी बात सच है और कौन सी झूठ। इसलिए, यह दूरी हास्यास्पद तो है, लेकिन साथ ही साथ चिंताजनक भी है। हमें मीडिया और पक्षीय लोगों के बीच की दूरी को समझने की जरूरत है, और सच को झूठ से अलग करने की कोशिश करनी चाहिए। मौजूदा चुनावी प्रक्रिया से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, क्या पुरानी पद्धति को अपनाना सही होगा? मौजूदा चुनावी प्रक्रिया से लोगों का विश्वास घटने की बात कई विशेषज्ञों द्वारा कही जा रही है। इसका एक बड़ा कारण है चुनाव में बढ़ती धनशक्ति और अपराधीकरण। कई बार चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों की भूमिका पर भी सवाल उठाये जाते हैं। पुरानी पद्धति को अपनाने की बात पर विचार करना मुश्किल है, क्योंकि समय के साथ बदलाव आवश्यक है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुरानी पद्धति में कुछ अच्छे पहलू थे, जैसेकि प्रत्यक्ष मतदान और स्थानीय स्तर पर चुनाव। आज की चुनावी प्रक्रिया में कई समस्याएं हैं, जैसेकिः- धनशक्तिः चुनाव में धन का बढ़ता प्रभाव। अपराधीकरणः चुनाव में अपराधियों की बढ़ती भागीदारी। वोटर सूची में गड़बड़ीः मतदाता सूची में त्रुटियाँ और गड़बड़ी। चुनाव आयोग की भूमिकाः चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए कई सुझाव दिये गये हैं, जैसे किः- चुनाव सुधारः चुनाव प्रक्रिया में सुधार और पारदर्शिता बढ़ाना वोटर शिक्षाः मतदाताओं को जागरूक करना और उन्हें मतदान के महत्व के बारे मे शिक्षित करना। चुनाव आयोग को मजबूत करनाः चुनाव आयोग को अधिक स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना। इन सुझावों को अमल में लाकर हम चुनावी प्रक्रिया में सुधार कर सकते है और लोगों का विश्वास बढ़ा सकते हैं।

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के तहत जिले में गृहप्रवेश व लाभार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के अंतर्गत पालघर जिले में दिनांक 23 दिसंबर 2025 को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ घरकुल लाभार्थी संवाद अभियान झ चरण 3 का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत पूर्ण हो चुके घरों का गृहप्रवेश कार्यक्रम तथा लाभार्थियों से सीधा संवाद किया गया। अभियान के दौरान जिन लगभग 15,000 लाभार्थियों ने अभी तक घरकुल निर्माण कार्य शुरू नहीं किया था, उनसे प्रत्यक्ष भेट देकर कारणों की जानकारी ली गई। शाम 4 बजे तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में 4,500 घरकुलों का गृहप्रवेश कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत मोखाडा पंचायत समिति के ग्राम पंचायत साखरी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक हरिश्चंद्र भोये तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वयं उपस्थित रहकर सहभाग लिया। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष निकम, सरपंच, पंचायत समिति के विभाग प्रमुख, गट विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी व कर्मचारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

यह अभियान केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण – PMAY-G) एवं प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) के अंतर्गत स्वीकृत घरकुल लाभार्थियों पर केंद्रित रहा। लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी गईं, समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए मार्गदर्शन दिया गया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया गया। मोखाडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्ण हुए घरकुलों का गृहप्रवेश कराया गया। उपस्थित मान्यवरों ने लाभार्थियों से शासन की योजनाओं का समय पर लाभ लेकर घरकुल निर्माण शीघ्र पूर्ण करने की अपील की।

वहीं महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्थानों पर महिला स्व-सहायता समूह सदस्यों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं महिला बचत समूहों की हीमोग्लोबिन (HB) जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया।

मोखाडा तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाताने में यह उपक्रम प्रभावी रूप से संपन्न हुआ। महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं एनीमिया मुक्त गांव की संकल्पना को सशक्त बनाना इसका मुख्य उद्देश्य रहा। इस संपूर्ण जिला स्तरीय अभियान का नियोजन एवं क्रियान्वयन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे तथा जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते के मार्गदर्शन में किया गया। उनके निर्देशानुसार सभी पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों के समन्वय से यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शारदा प्रसाद सिंह का उदार व्यक्तित्व उत्तर भारतीय समाज के लिए प्रेरणा : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय समाज के भीष्म पितामह कहे जाने वाले उद्योगपति एवं वरिष्ठ समाजसेवी शारदा प्रसाद सिंह ने आज 94 वर्ष की यशोयात्रा पूर्ण कर ली। कल वे 95 वर्ष में प्रवेश कर जाएंगे। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने चेंबूर स्थित उनके आवास पर जाकर उनका सम्मान किया और जन्मदिन की बधाई दी। कृपाशंकर ने कहा कि शारदा प्रसाद सिंह का व्यक्तित्व तथा समाज के प्रति उनके द्वारा किए गए कार्यों से हम सभी को लगातार प्रेरणा मिलती रही है। उनकी विनम्रता, शालीनता, सहजता और आत्मविश्वास अनुकरण करने योग्य है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से उनके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की प्रार्थना करता हूं।

उत्तर भारतीय संघ की माता अहिल्याबाई होलकर महाअन्नदान योजना, 200 जरूरतमंदों को प्रतिदिन निःशुल्क भोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ धर्मरक्षक माता अहिल्याबाई होलकर महाअन्नदान योजना शुरू करने जा रहा है। इस योजना के तहत बांद्रा पूर्व स्थित उत्तरभारतीय संघ भवन में रोजाना 200 से अधिक गरीब और जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने इस संबंध में बताया कि धर्मरक्षक माता अहिल्याबाई होलकर की जयंती के त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ महाअन्नदान योजना की शुरूआत करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हाईटेक किचन और महा अन्नदान ग्रहण करने के लिए एक हॉल बनाया गया है। संतोष आरएन सिंह के अनुसार यह योजना बहुत जल्द शुरू की जाएगी। इस योजना के शुरू होने से संघ की समाजसेवा मुहिम में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। संघ का एकमात्र मकसद समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। यह महाअन्नदान योजना इसी मकसद की एक कड़ी है।

मुंबई में ऋषभायन 02 का सफल समापन, राजा ऋषभदेव की विरासत का भव्य उत्सव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राजा ऋषभदेव के जीवन, दर्शन और सभ्यतागत योगदान को समर्पित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऋषभायन 02 का सफल समापन कोरा केंद्र मैदान क्रमांक 4, बोरीवली (पश्चिम) में हुआ। लब्धि विक्रम जनसेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस आयोजन में विद्वानों, संतों, नीति-निमार्ताओं, उद्योगपतियों और एक लाख से अधिक नागरिकों ने भाग लिया, जिससे भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को नया बल मिला। सम्मेलन में प्रस्तुत ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों के माध्यम से यह स्थापित किया गया कि राजा ऋषभदेव भारतीय सभ्यता के मूल प्रवर्तक थे। वक्ताओं ने बताया कि उद्यमिता, सतत विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल आधारित शिक्षा जैसी अवधारणाएँ पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की अपनी सभ्यतागत परंपरा में निहित हैं। साथ ही यह भी दोहराया गया कि हमारे देश का नाम भारत, राजा ऋषभदेव के पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम पर रखा गया है, जिसका उल्लेख श्रीमद्भागवत पुराण में मिलता है। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य शोभायात्रा से हुई, जिसके पश्चात जैन गच्छाधिपति यशोवर्मसूरीजी महाराज ने आशीर्वचन और आध्यात्मिक प्रवचन दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने धर्म परिषद का उद्घाटन किया तथा ऋषभायन ग्रंथ का लोकार्पण किया। इस अवसर पर 1008 महामंडलेश्वर स्वामी राजेंद्र आनंदगिरि जी, प. पू. कोठारी श्री धमार्नंद स्वामी महाराज, डंडी स्वामी जितेंद्र सरस्वती महाराज, प. पू. महंत दयालपुरी महाराज, शांतिगिरि महाराज और गुरु मौली डिंडोरी सहित अनेक संतों ने राजा ऋषभदेव के जीवन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दूसरे दिन शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन किए गए। भारत और विदेशों के 150 से अधिक संस्थानों के विद्वानों ने असि, मसी, कसी, व्यापार-वाणिज्य, ब्राह्मी लिपि, गणित, 72 कौशल और 64 कलाओं जैसे विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस दिन केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रिपब्लिक पार्टी आफ इण्डिया का कांग्रेस से गठबंधन मुंबई मनपा चुनाव साथ मिलकर लडेंगे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रिपब्लिक पार्टी आफ इंडिया (गवई गुट) का कांग्रेस से गठबंधन हो गया है और मुंबई मनपा चुनाव दोनों पार्टियां मिलकर लड़ेंगी। इस विषय में कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल डा. प्रकाश गवई से भी मिला। हालांकि सीटों के बटवारे के बारे में अभी कुछ निर्णय नहीं हुआ है लेकिन दोनों पार्टियों में एक साथ चुनाव लड़ने की सहमति बन गयी है। बतादें कि मुंबई महानगर पालिका चुनाव सभी पार्टियों के लिए अहम है इसके साथ ही दलित वोटों को लेकर राजनीति गरम हो गयी है। कांग्रेस कमेटी महाराष्ट्र के महासचिव जो. जो. थामस के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल आरपीआई के डॉ राजेंद्र गवई के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पर आरपीआई मुंबई सचिव राजकुमार यादव, मुंबई आरपीआई अध्यक्ष आनंद खरात आदि लोग उपस्थित थे।

चुनाव को लेकर शिवसेना- भाजपा गठबंधन की सकारात्मक चर्चा

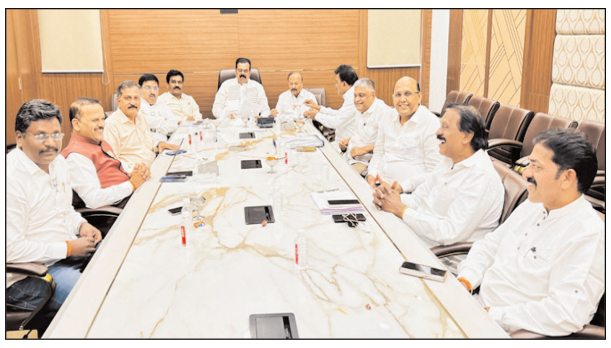

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के सीट बंटवारे पर दोनो पार्टियों के बीच लेकर चर्चा की गई जिसमे कई प्रभागों पर विस्तृत विषय दोनों पक्षों से प्रतिसाद दिया गया है। कुछ विषय, प्रभागों में अडचण होने पर उप मुख्यमंत्री शिंदे और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण निर्णय लेंगे। कल्याण -डोंबिवली पालिका चुनाव के मद्देनजर नजर भाजपा और शिवसेना दोनो की गहन मंथन सुरु है। दोनो पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं को तय करना है । पालिका चुनाव युति में लड़ेंगे या फिर अलग- अलग मैदान में कूदना है। इस बैठक में कपिल पाटील, गोपाळ लांडगे, राजेश मोरे, नरेंद्र पवार, रमेश जाधव, निलेश शिंदे, रवींद्र पाटील, नाना सूर्यवंशी, नंदू परब, राहुल दामले, शशिकांत कांबळे, प्रभुनाथ भोईर उपस्थित थे।

100 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर धनेश पाटील का शतायुषी अभिनंदन समारोह आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के कुडण पाटीलपाड़ा निवासी वंदनीय धनेश (नाना) पिलाजी पाटील ने अपने जीवन के 100 वर्ष पूर्ण किए। इस ऐतिहासिक अवसर पर उनके शताब्दी पूर्ति के उपलक्ष्य में भव्य शतायुषी अभिनंदन (अभिष्टचिंतन) समारोह का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि धनेश पाटील का जन्म 17 दिसंबर 1925 को हुआ। उन्होंने स्वतंत्रता-पूर्व काल में सन 1942 में एस.एस.सी. परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उच्च पद की नौकरी के अवसर उपलब्ध होने के बावजूद उन्होंने नौकरी न करते हुए स्वतंत्र रूप से कृषि व्यवसाय को अपनाया। अत्यंत परिश्रमी, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव के कारण उन्होंने अपने जीवन को सादगी और मेहनत के साथ जिया।

उनका विवाह सन 1945 में हुआ। उनकी पांच संतानों में छाया चंद्रकांत राऊत, बालू धनेश पाटील, स्व. बंड्या धनेश पाटील, नीता विनोद किणी तथा राजू धनेश पाटील शामिल हैं। वर्ष 1968 में पत्नी यशवंती पाटील के आकस्मिक निधन के बाद बच्चों के पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं निभाई। कठिन परिस्थितियों में खेती और वाड़ी में कड़ी मेहनत कर बच्चों को शिक्षित किया और परिवार को संभाला।

प्रेम, मिलनसार, आनंदी और संयमी स्वभाव के कारण आज भी वे स्वस्थ एवं सक्रिय हैं। उनके दस भाई और तीन बहनों का बड़ा परिवार है। पाटील परिवार के कारण ही उनके पाड़े को ह्लकुडण पाटीलपाड़ाह्व नाम से जाना जाता है।

इस अभिनंदन समारोह के दौरान उनकी धान्य तुला की गई तथा संपूर्ण अनाज तारापुरझकांबोडे स्थित वृद्धाश्रम को दान स्वरूप भेंट किया गया, जो समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दशार्ता है।

कार्यक्रम में अनेक सम्माननीय व्यक्तित्व, रिश्तेदार, मित्रगण, कुडण ज्येष्ठ नागरिक संघ के पदाधिकारी तथा साई मित्र मंडल पाचमार्ग के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर नयना जितेंद्र राऊल, प्रतिभा किणी, मनोज पाटील, अशोक पाटील, वनमाला पाटील, चांदनी चौधरी, स्मिता म्हात्रे व पूजा पाटील सहित अनेक लोगों ने नाना को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का प्रास्ताविक भालचंद्र म्हात्रे ने किया। सूत्रसंचालन एवं आयोजन का दायित्व प्रा. संजय घरत ने संभाला। अंत में पुत्र बालू धनेश पाटील ने अपने पिता के संघर्षपूर्ण जीवन-प्रवास का भावपूर्ण वर्णन करते हुए सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया।

शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ के मार्गदर्शन में श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ 24 दिसंबर से: डॉ प्रोफेसर दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्रीमद् भागवत महापुराण के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाने हेतु श्री नारायण सेवा समिति, कांदिवली (पूर्व), मुंबई की ओर से श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन धार्मिक अनुष्ठान 24 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा। इस सात दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन में अनन्त श्री विभूषित काशी धर्म पीठाधीश्वर, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के पावन सान्निध्य में प्रतिदिन सायं 3.00 बजे से 6.00 बजे तक श्रद्धालु श्रीमद् भागवत कथा का भाव-विभोर रसपान करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स, कांदिवली (पूर्व), मुंबई में आयोजित किया गया है। कथा सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर 24 दिसंबर 2025 (बुधवार) को दोपहर 2.00 बजे से कांदिवली श्री विश्वकर्मा मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन के सफल संचालन हेतु जिन गणमान्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है, उनमें हरिश्चंद्र शुक्ल, प्रमोद दुबे, एड. जे. डी. सिंह, पं. राममणि मिश्र, एड. ओमप्रकाश सिंह, साहब लाल मिश्र, अनिल पाण्डेय सहित अनेक समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी सम्मिलित हैं। आयोजकों ने मुंबई के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित इस दिव्य धार्मिक अनुष्ठान में सहभाग कर धर्मलाभ अर्जित करें तथा सनातन सांस्कृतिक मूल्यों से आत्मिक जुड़ाव स्थापित करें। उक्त जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो. दयानंद तिवारी द्वारा दी गई है ।

प्रीमियम वेडिंग गिफ्टिंग को नया अंदाज देने साथ आए द बॉडी शॉप और इंडे वाइल्ड

मुंबई। शादियों के इस खुशनुमा सीजन के बीच, ब्रिटिश मूल के प्रतिष्ठित एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने लोकप्रिय आयुर्वेदिक ब्यूटी ब्रांड इंडे वाइल्ड के साथ एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है। ब्यूटी इंडस्ट्री में यह अपने आप में पहला ऐसा सहयोग है, जिसका पूरा फोकस प्रीमियम और कस्टमाइज्ड वेडिंग गिफ्टिंग पर है।

यह साझेदारी प्रामाणिकता और सस्टेनेबिलिटी जैसे साझा मूल्यों की नींव पर टिकी है। इसमें जहां एक ओर द बॉडी शॉप की एथिकल ब्यूटी विरासत है, वहीं दूसरी ओर इंडे वाइल्ड के आधुनिक भारतीय ब्यूटी रिचुअल्स का जादू है। दोनों ब्रांड्स ने मिलकर चार शानदार गिफ्ट बॉक्स तैयार किए हैं, जो अपनों के प्रति प्रेम और स्वयं की देखभाल की भावना को संजोए हुए हैं। इन बॉक्सेस में द बॉडी शॉप के आइकॉनिक प्रोडक्ट्स और इंडे वाइल्ड के सबसे पसंदीदा ब्यूटी एसेंशियल्स का बेहतरीन कॉम्बिनेशन शामिल है। इन्हें खासतौर पर दुल्हनों, सहेलियों और मेहमानों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि गिफ्ट देने का अनुभव बेहद गरिमामयी और यादगार बन सके।

भारत में शादियां केवल एक रस्म नहीं, बल्कि रिश्तों, परंपराओं और भावनाओं का महापर्व होती हैं। यहां उपहार देना प्यार जताने का एक जरिया है। यह साझेदारी इसी भावना का सम्मान करती है—जहां गिफ्टिंग की भारतीय परंपरा को एक ग्लोबल और सजग अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। राहुल शंकर, ग्रुप सीईओ, क्वेस्ट रिटेल एंड हाउस ऑफ ब्यूटी ने कहा, इंडे वाइल्ड के साथ यह गठबंधन द बॉडी शॉप के लिए एक रणनीतिक पड़ाव है, जिससे हम प्रीमियम वेडिंग गिफ्टिंग के बाजार में मजबूती से कदम रख रहे हैं। इंडे वाइल्ड आज की युवा पीढ़ी का पसंदीदा ब्रांड है, और यह साझेदारी दोनों ब्रांड्स के लिए नई संभावनाएं पैदा करेगी।

हम दो अलग-अलग विरासतों को एक मंच पर ला रहे हैं—हमारी कम्युनिटी फेयर ट्रेड की प्रतिबद्धता और इंडे वाइल्ड का मॉडर्न आयुर्वेद। ये गिफ्ट बॉक्स महज प्रोडक्ट्स नहीं हैं।

मीरा रोड में मैंग्रोव क्षेत्र पर अवैध सीमेंट कंक्रीट डंपिंग कर हाई कोर्ट के आदेशों की हो रही खुलेआम अवहेलना

आचार्य सूरजपाल यादव

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। बाम्बे हाई कोर्ट द्वारा मैंग्रोव संरक्षण को लेकर दिए गए स्पष्ट आदेशों के बावजूद मीरा-भायंदर क्षेत्र में मैंग्रोव को नुकसान पहुँचाने की गंभीर और चिंताजनक घटना सामने आई है। मीरा रोड (पश्चिम) स्थित भायंदर गांव राधा स्वामी सत्संग रोड के पास मैंग्रोव क्षेत्र में अवैध रूप से सीमेंट कंक्रीट का मलबा व वेस्ट मटेरियल और गंदा पानी डाले जाने से प्राकृतिक मैंग्रोव इकोसिस्टम को गंभीर क्षति पहुँच रही है। स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों के अनुसार यह गतिविधि मैंग्रोव सेल, वन विभाग तथा बाम्बे हाई कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध है। मैंग्रोव क्षेत्र में किया जा रहा भराव न केवल पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन है बल्कि तटीय सुरक्षा, जैव विविधता और भविष्य में बाढ़ जैसी आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए भायंदर तालुका से जुड़े राजस्व अधिकारियों ने मौके पर साइट विजिट किया। भायंदर तालुका मंडल अधिकारी अमीत नवघर, तालुका अधिकारी तुषार खेडकर तथा घोड़बंदर तालुका के अधिकारी ललित सतपुता ने स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। साइट निरीक्षण के दौरान पर्यावरण प्रेमी वली मोहम्मद उर्फ अमजद खान भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि मैंग्रोव समुद्री तट की प्राकृतिक सुरक्षा कवच हैं और इन्हें नष्ट करना सीधे तौर पर पर्यावरण और जनसुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने मांग की है कि हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। जागृत पर्यावरण समिति के अध्यक्ष अमजद खान ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और अवैध डंपिंग को तुरंत रोका जाए और नष्ट किए गए मैंग्रोव क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापन किया जाए। साथ ही बाम्बे हाई कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर अवमानना की कार्रवाई भी की जाए। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि क्या मैंग्रोव संरक्षण के कानूनों को जमीन पर सही ढंग से लागू किया जा रहा है। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो मीरा-भायंदर क्षेत्र के बचे हुए मैंग्रोव भी गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं।

रईस हाई स्कूल में अंतर-विद्यालयीन आल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता के आयोजन में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज में आयोजित 66 वीं आल महाराष्ट्र अंतर-विद्यालयीन उर्दू भाषण प्रतियोगिता शनिवार ,20 दिसंबर 2025 को अत्यंत उत्साह, जोश ओ खरोश और शैक्षणिक गरिमा के साथ आयोजित की गई ।मुख्य अतिथि के रूप में डा. ख्वाजा गुलामुसय्यदैन रब्बानी, विशेष अतिथि के रूप में प्रो मोईन डोन, डा. शेख एहरार आजमी और गुलाम आरिफ खान तथा केएमई सोसायटी के पदाधिकारी एवं सदसयगण उपस्थित थे। रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर तातली ने अतिथियों का परिचय सहित स्वागत किया। भाषण प्रतियोगिता में मुंबई , ठाणे, मुंब्रा, कल्याण, नासिक, मालेगांव, कोल्हापुर, इचलकरंजी, नांदेड़, रायगढ़ एवं राज्य भर से आए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने तार्किक, उद्देश्यपूर्ण और विचारोत्तेजक भाषणों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया ।इस भाषण प्रतियोगिता में कुल 47 स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक जारी इस मुकाबले में इचलकरंजी स्थित डाक्टर अल्लामा इकबाल उर्दू हाई स्कूल की छात्रा इशरत अजहरुद्दीन मुल्ला ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार उर्दू हाई स्कूल इचलकरंजी की छात्रा आफि या आदम अरब को मिला जबकि तृतीय पुरस्कार स्विस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज मालेगांव के मोहम्मद मुसअब शेख अकील ने हासिल किया। चतुर्थ पुरस्कार अंसारी मुनीबा एजाज अहमद (डा. पीर मोहम्मद रहमानी गर्ल्स हाई स्कूल मालेगांव) तथा पांचवां इनाम मोहम्मद उमर इरफान मोमिन (नेशनल उर्दू हाई स्कूल धुले) को प्रदान किया गया। पांच पुरस्कारों के अलावा पाँच प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए। विशेष सम्मानों में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का खिताब मोहम्मद मुसअब शेख अकील को और सर्वश्रेष्ठ वक्तृका का सम्मान अंसारी आमिना मुहम्मद तारिक को प्राप्त हुआ। वहीं सर्वश्रेष्ठ भाषण लेखक का पुरस्कार इब्राहीम फैज (डा.अल्लामा इकबाल उर्दू हाई स्कूल इचलकरंजी)के शिक्षक को दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात ग्रंथ प्रेमी और भारतीय पुरातत्व विभाग के पूर्व निदेशक डा. ख्वाजा गुलाम सैय्यदैन रब्बानी ने भिवंडी को उर्दू भाषा की परवरिश करने वाला शहर बताते हुए कहा कि उर्दू हमारी सांस्कृतिक पहचान और अमूल्य विरासत है। इसकी विशेषता, शैली और प्रभावशीलता की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है ताकि समाज में हमारी भाषाई पहचान बनी रहे। समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर मोईन डोन कहा कि आज के दौर में उर्दू के ये नन्हें वक्ता भविष्य में कौम के प्रवक्ता बनकर दुनिया के सामने आएँगे और तर्क और गरिमा के साथ सत्य की आवाज बुलंद कर सकेंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बाहुबलियों का संरक्षण और पीडीए का भक्षण कर रही सरकार: डॉ.रागिनी सोनकर

विधानसभा में बोलीं विधायक- प्रतिवर्ष हार्ट अटैक से 5 लाख और कैंसर से 2.5 लाख लोगों की हो रही मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने सोमवार को सदन में वंदे मातरम की चर्चा में हिस्सा लिया। देश की आजादी में बलिदान देने वाले बलिदानियों के योगदान को याद किया। विधायक ने वर्तमान भाजपा की प्रदेश सरकार की गलत नीतियों को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया।

विधानसभा में मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे हो गए। उन्होंने सवाल पूछा कि वंदे मातरम की मान- मयार्दा को क्या सरकार समझती है। मां के बच्चों पर अत्याचार करना, तिरस्कृत करना, आई लव मोहम्मद बोलने पर

मुसलमानों को गिरफ्तार करना, युवाओं के नौकरी मांगने पर डंडे बरसाना, महिलाओं को जिंदा जलाना और सताना क्या यही वंदे मातरम है। आरोप लगाया कि सरकार दलितों के मौत के आंकड़े छुपा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की योगी सरकार बाहुबलियों का संरक्षण और पीडीए का भक्षण कर रही है।

उन्होंने गोंडा जनपद में संजय सोनकर को मारपीट कर हत्या करने पर सरकार और प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पूरा देश महंगाई की मार से झुलस रहा है। सदन में जब भी सवाल पूछा जाता है तो स्वास्थ्य मंत्री गायब रहते हैं। सपा सरकार में बने अस्पताल में उप मुख्यमंत्री और कैबिनेट के मंत्री इलाज कराने के लिए भर्ती हुए जबकि इससे पहले मंत्रियों को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ता था। उन्होंने मुख्यमंत्री विवेकाधीन को बढ़ाने के लिए सरकार से मांग की ताकि गरीब जनता इलाज के अभाव में मौत के घाट न उतरे। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कम फंड मिलने के कारण प्रति वर्ष हार्ट अटैक से 5 लाख तथा कैंसर से 2.5 लाख लोग मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंह से केवल बोलना ही वंदे मातरम नहीं है बल्कि धरातल पर उसे अमल में लाना वंदे मातरम है। बलिदानों की कद्र करना और वंदे मातरम को धरातल पर उतारना ही असली वंदे मातरम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को तिरस्कृत कर रही हैं।

उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए सीएम योगी के हाथों रविंद्र कुमार सिंह हुए सम्मानित

युवा सहकार सम्मेलन में प्रदेश के एम पैक्स सदस्यता महा अभियान में सदस्य बनाने में मिला तीसरा स्थान

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड क्षेत्र के भेला गांव निवासी रवींद्र कुमार सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान युवा सहकार सम्मेलन में प्रदेश में एमपी पैक्स सदस्यता महा अभियान 2025 अंतर्गत जनपद उन्नाव द्वारा पैक्स सदस्य बनाने में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर मिला। वह उन्नाव जनपद में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक के पद पर कार्यरत हैं। उत्कृष्ट नेतृत्व, सक्रिय सहभागिता एवं सराहनीय योगदान देने के लिए यह सम्मान मिला। इस

मौके पर प्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, प्रदेश के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार, सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव सौरभ बाबू ने उनके योगदान को सराहा है। इस मौके पर शाहगंज विधायक रमेश सिंह, पिता एवं पूर्व सहायक विकास अधिकारी बजरंगबली सिंह, बड़े भाई योगेंद्र प्रताप सिंह, राजेंद्र कुमार सिंह, आशुतोष कुमार सिंह, उग्रसेन सिंह राना, रामपाल सिंह, अधिवक्ता धर्मेंद्र कुमार सिंह पिंटू आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कैंसर को लेकर स्वास्थ्य मंत्री गंभीर नहीं: पंकज पटेल

खुलेआम हो रही दोहरे की बिक्री, गुटखा, पान मसाला और कीटनाशक पर प्रतिबंध लगाने की मांग

सपा विधायक ने सदन में उठाया कैंसर की बीमारी का मुद्दा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर के सपा विधायक पंकज पटेल ने सोमवार को विधानसभा में भारत में तेजी से बढ़ रहे कैंसर की बीमारी का मुद्दा उठाया। विधायक ने इस बीमारी को लेकर प्रदेश सरकार की नाकामी पर प्रदेश के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया।

विधायक ने कहा कि कैंसर को लेकर स्वास्थ्य मंत्री और उनकी सरकार बिल्कुल गंभीर नहीं है। भारत में उत्तर-प्रदेश दुनिया की नई कैंसर राजधानी बन चुका है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर के मामले भारत में, देश में उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में जौनपुर कैंसर के मामले में पूरे प्रदेश में अव्वल है। उन्होंने बताया कि आंकड़ों के मुताबिक 2017 में 1.3 लाख, 2019 में 1.96 लाख, 2020 में 2.01 लाख, 2021 में 2.06, 2022 में 2.10 और 2024 में 2.21 लाख कैंसर के मरीजों की संख्या थी। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर सरकार कैंसर की बीमारी को लेकर गंभीर होती तो यह समस्या सामने न आती। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव की सपा सरकार ने लखनऊ में 1200 बेड वाले कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की थी जिसे सरकार बेहतर ढंग से संचालित नहीं कर सकी। इसके चलते कैंसर के मरीज बढ़ते गए। विधायक ने कहा कि तीन प्रकार के कैंसर हैं सर्वाइकल, चेस्ट और माउथ। यदि एचपीवी वैक्सीन समय से छात्राओं को लगी होती तो 50 से

70 फीसदी समस्या दूर हो चुकी होती। समय पर स्क्रीनिंग, नेमोग्राफी या अल्ट्रासाउंड कराया गया होता तो यह समस्या दूर हो सकती थी। उन्होंने जौनपुर में खुलेआम दोहरे की बिक्री पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार इसे ठीक करने के लिए रेडियोथैरेपी जरूरी है जिसके लिए 10 लाख की जनसंख्या पर एक मशीन होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 24 करोड़ की जनसंख्या के लिए 240 मशीनों की आवश्यकता है जबकि 19 से 20 मशीनें ही उपलब्ध हैं। उन्होंने सदन में सरकार के समक्ष तीन अनुपूरक प्रश्न पूछे। इनमें से पहला प्रत्येक छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन लगाने पर विचार करने, दूसरा तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और हानिकारक कीट नाशक पर प्रतिबंध लगाने तथा डबल्यूएचओ के अनुसार रेडियोथैरेपी की मशीनों को स्थापित करने को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

कवित्री चित्रा श्रीवास्तव की दो कृतियों- 'मेरा मन वृंदावन' व 'दुलहिन दूलहु' का भव्य लोकार्पण

चित्रा एक अलग अलौकिक दृष्टि एवं कल्पना की रचनाकार: रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। ओहरियो ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में कवयित्री चित्रा विशाल श्रीवास्तव की काव्य कृतियों- मेरो मन वृन्दावन एवं दुलहिन दूलह–का लोकार्पण प्रयागराज स्थित ब्लू बेल स्कूल करेली सभागार में सुप्रसिद्ध अकादमी चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षीय संबोधन में कुशवाहा ने कहा कि दोनों पुस्तकों में राधा कृष्ण के अलौकिक प्रेम का सजीव चित्रण हुआ है स्वर कोकिला कवित्री चित्रा श्रीवास्तव ने 'मेरो मन वृन्दावन' में रसिक भक्त के हृदय में उठते वियोग व संयोग के भावों को गीत-पदों के माध्यम से अभिव्यक्त किया है, वहीं 'दुलहिन दूलहु' में श्यामा-श्याम के मध्य घटित सुंदर लीलाओं का काव्यमय चित्रण किया है। दोनों कृतियों की विशेषता यह है कि इनमें भावानुसार उपयुक्त चित्रों का समावेश है। उल्लेखनीय है कि चित्रा जी की यह ग्यारहवीं पुस्तक है। सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात ओहरियो ऑर्गेनाइजेशन ने सभी अतिथियों को

अंगवस्त्र, पुष्पदान प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में राघवेन्द्र बहादुर सरल व श्रीमती सरला श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती जया मोहन एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा शामिल रहीं मुख्य वक्ता में भगवान प्रसाद उपाध्याय रहे। संचालन प्रो.रवि कुमार मिश्र ने किया। ब्लू बेल स्कूल के प्रबंधक संदीप कुशवाहा के अतुलनीय सहयोग से यह कार्यक्रम से संपन्न हुआ।

अन्य वक्ताओं में कल्पना वर्मा, जया मोहन, मिली संजय 'श्री', इं. रंजन पाण्डेय, पंडित राकेश मालवीय 'मुस्कान', अजित श्रीवास्तव एवं अन्नू श्रीवास्तव ने आध्यात्मिक पक्ष एवं चित्रमय प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा।

ओहरिओ की ओर से अदिति श्रीवास्तव एवं चित्रा विशाल श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, साहित्य प्रेमियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रभंजन त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर साहित्यकार अनु श्रीवास्तव, डॉ.अरविंद मालवीय, मुक्तक सम्राट पाल प्रयागी, शरद श्रीवास्तव, राघवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव, प्रभंजन त्रिपाठी, मधुरिमा शर्मा, चेतना सिंह चितेरी, डॉ. मंजू प्रकाश, शैलेंद्र जय, ऋतु पाण्डेय, अदिति श्रीवास्तव, सुयश श्रीवास्तव, विवान शिवाय श्रीवास्तव, श्रिया, आदिल खां की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रदेशीय महिला वॉलीबॉल व खो-खो का जौनपुर बनेगा केंद्र, 36 टीमें लेंगी हिस्सा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जौनपुर में प्रदेश स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन होने जा रहा है। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत 25 से 27 दिसंबर 2025 तक इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिद्दीकपुर में प्रदेशीय महिला वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। क्रीड़ा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 मंडलों से दो-दो टीमें प्रतिभाग करेंगी। इस प्रकार कुल 36 टीमें तीन दिवसीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। प्रतियोगिता प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायंकाल तक आयोजित की जाएगी।

प्रतिभागी टीमों के ठहरने की व्यवस्था वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर स्थित ज्योतिबा फुले एवं बाबू जगजीवन राम छात्रावास में की गई है। वहीं आयोजन स्थल से विश्वविद्यालय तक खिलाड़ियों के आवागमन के लिए बस सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। निर्णायकों एवं अन्य अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था भी विश्वविद्यालय परिसर में ही की गई है।

प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन 25 दिसंबर 2025 को प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, गिरीश चन्द्र यादव द्वारा किया जाएगा। जबकि 27 दिसंबर 2025 को समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा।

प्रतियोगिता को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉक्टर एवं एम्बुलेंस की तैनाती की गई है, वहीं महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस विभाग द्वारा पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रदेश स्तरीय इस आयोजन से जौनपुर की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिलने के साथ-साथ जिले का नाम प्रदेश भर में रोशन होने की उम्मीद है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय स्थानीय थाना क्षेत्र के गुरैनी पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भिजवाया। दोनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी

के अनुसार पोरई खुर्द गांव निवासी रामसूरत बिंद के पुत्र राज (23) व रोशन (20) बाइक से जौनपुर दवा लेने गए थे। लौटते समय गुरैनी के पास जौनपुर की ओर से आ रही अनियंत्रित बीएमडब्ल्यू कार से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। साथ ही परिजनों को घटना से अवगत कराया गया ' पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस बाबत थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि परिजन की तरफ से तहरीर मिलने पर कार चालक आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सुशासन सप्ताह–2025 का भव्य आयोजन

◆ सुशासन ही अटल को सच्ची श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर (प्रशासन गांव की ओर-2025) कार्यक्रम के अंतर्गत पांचवां सुशासन सप्ताह-2025 का आयोजन मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में सुशासन, जनसेवा और पारदर्शी प्रशासन के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी जौनपुर दिनेश कुमार सिंह का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाधिकारी सिंह, वर्तमान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) अजय अंबष्ट एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयवर चौहान ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पूर्व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने अटल के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि सुशासन सप्ताह-2025 में सहभागिता करना उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि अधिकारी यदि स्वयं को सामान्य नागरिक मानकर समस्याओं का समाधान करें, तो वही सच्चा सुशासन है। उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी जनता की सेवा के लिए नियुक्त हैं और बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन ही अटल को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने महाकुंभ के दौरान जनपद जौनपुर में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र एवं उनकी टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने समर्पित भाव से देश के विकास के लिए कार्य किया। उनके जन्मदिवस के अवसर पर सुशासन दिवस मनाते हुए जनपद, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर व्यापक जनसेवा एवं जनशिकायत निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी विभाग ग्राम पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन कर आमजन की समस्याओं को सुनते हुए उनका समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र, विभिन्न पेंशन योजनाएं, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, खतौनी, भूमि विवाद, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य सेवाओं से जुड़े आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले 01 वर्ष 02 माह में लगभग 80 हजार से अधिक निर्विवाद प्रकरणों का पंजीकरण कर सफल निस्तारण किया गया है। विकसित भारतझविकसित उत्तर प्रदेश कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वाधिक शिकायतों का निस्तारण कर जनपद ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जिनमें उपजिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, उपजिलाधिकारी केराकत शैलेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे, को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत तहसील मड़ियाहूं के ग्राम मढ़ी निवासी मृतक विकास पटेल की माता बसंती पटेल को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत 05 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवायोजन पोर्टल से होगी अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की तैनाती, 2 जनवरी तक करें आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश में खेल गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसके अंतर्गत 18 विभिन्न खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि उक्त रिक्त पदों पर तैनाती के लिए सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सेवाप्रदाता फर्म मेसर्स टी एंड एम सर्विसेज कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, दहिसर, मुंबई द्वारा ये रिक्तियां 19 दिसंबर 2025 से सेवायोजन पोर्टल पर प्रदर्शित कर दी गई हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 02 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के रिक्त पदों को जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से भरा जाना है। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, साथ ही एनआईएस एवं एलएनआईपीई डिप्लोमाधारी खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं।

क्रीड़ा अधिकारी ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे सेवायोजन पोर्टल पर जाकर वैकेंसी के अंतर्गत प्राइवेट जॉब श्रेणी में अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें तथा समय रहते जेम पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें, जिससे प्रदेश भर में प्रशिक्षण शिविरों का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके। यह अवसर खेल क्षेत्र से जुड़े युवाओं के लिए रोजगार के साथ-साथ प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम साबित होगा।

दी तहसील बार एसोसिएशन राजातालाब वाराणसी का चुनाव आज

अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित पांच पदों पर रोचक संघर्ष

कुल 1818 अधिवक्ता 14 प्रत्याशियों के भाग्य का करेंगे फैसला

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब दी तहसील बार एसोसिएशन राजातालाब वाराणसी वार्षिक चुनाव 2026 का चुनाव आज संपन्न होगा। चुनाव समिति के सदस्य विजय कुमार पांडेय, छेदी लाल यादव, नंद किशोर सिंह पटेल, अंकेश गिरी, विजय कुमार भारती ने बताया कि तहसील बार के चुनाव में आजीवन सदस्यों की संख्या 281 एवं साधारण सदस्यों की संख्या 1537 कुल 1818 मतदाता 14 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

मतदान प्राप्त 9:30बजे से प्रारंभ होकर शाम 4:30 बजे तक होगा। मतदान के लिए बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा जारी सी ओ पी परिचय पत्र अथवा प्रमाण पत्र की मूल प्रति लाना अनिवार्य होगा बिना इन प्रमाण पत्रों के किसी भी अधिवक्ता को किसी भी कीमत पर मतदान करने से वंचित किया जाएगा।मतदान के लिए कुल 34 बूथों व 5 टेबल बनाए गए हैं। टेबल नंबर 1 पर आजीवन सदस्य क्रम संख्या 1 से 281 तक, साधारण सदस्य टेबल नंबर 2 पर क्रम संख्या 1 से 395 तक, टेबल नंबर 3 पर क्रम संख्या 396 से 803तक टेबल नंबर 4 पर क्रम संख्या 804 से 1199 तक टेबल नंबर 5 पर क्रम संख्या, 1200 से1537, तक मत पत्र मिलेंगे। चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए सी सी कैमरा, वीडियो ग्राफी, स्क्रीन टीवी एवं पर्याप्त पी ए सी व पुलिस बल की व्यवस्था की गई है।समिति के सदस्यों ने बताया कि कोई भी अधिवक्ता के अलावा बाहरी व्यक्ति प्रचार करते हुए परिसर में पाया जाएगा तो उसे तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा। मतदान केंद्र पर केवल अधिवक्ता का ही प्रवेश एवं प्रचार प्रसार होना सुनिश्चित है। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में दी सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधे मोहन त्रिपाठी, राधेलाल श्रीवास्तव, घनश्याम सिंह पटेल, सुरेश कुमार श्रीवास्तव एवं तहसील बार के पूर्व अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा, बनारस बार के पूर्व महामंत्री मनोज कुमार उपाध्याय, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सेंट्रल बार कृष्ण कुमार द्विवेदी, पूर्व महामंत्री बनारस बार कमलेश कुमार यादव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विंध्याचल चौबे मौजूद रहेंगे।चुनाव कुशल पूर्वक संपन्न कराने के लिए उप जिलाधिकारी राजातालाब शांतुन कुमार सिनसीनवार एवं सहायक पुलिस आयुक्त अजय कुमार श्रीवास्तव को भी आमंत्रित किया गया है। मतगणना 24 दिसंबर को 8:30 बजे से की जाएगी तथा उसी दिन परिणाम की घोषणा भी कर दी जाएगी।

बांग्लादेश में आतंकवादी वैचारिक तत्वों द्वारा हिन्दू समुदाय को निशाना बनाना इस्लामिक शिक्षा के विरुद्ध

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। क्षेत्रीय मंत्री भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, काशी क्षेत्र अल्ताफ अहमद कादरी ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा हत्या कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि वहां की सरकार की नाकामी और हिंदू-

विरोधी माहौल का परिणाम है। यह कायराना हरकत इस्लामिक शिक्षा के विरुद्ध है। यह सीधा-सीधा अल्पसंख्यकों के अस्तित्व पर हमला है और बांग्लादेश में कानून व्यवस्था के ढह जाने का प्रमाण है। बांग्लादेश सरकार को स्पष्ट और कठोर चेतावनी है कि यदि हिंदुओं पर हो रहे हमले तत्काल नहीं रुके, दोषियों को कठोरतम सजा नहीं दी गई और हिंदू समुदाय को सुरक्षा नहीं मिली, तो यह विषय भारत सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गंभीर राजनीतिक और कूटनीतिक मुद्दा बनेगा। हिंदुओं के खून को सस्ता समझने की भूल न की जाए। अल्पसंख्यकों पर हिंसा को आंतरिक मामला बताकर छुपाने का दौर अब समाप्त हो चुका है। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा इस अन्याय के विरुद्ध सड़क से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक संघर्ष करेगा। बांग्लादेश को यह समझ लेना चाहिए कि हिंदू अल्पसंख्यक अकेले नहीं हैं और भारत चुप बैठने वाला नहीं है।

नितिन विजय ने मानव रचना में अति-प्रतिस्पर्धी दुनिया में छात्रों को सफलता की राह दिखाई

मुंबई। मोशन एजुकेशन, कोटा के संस्थापक एवं सीईओ तथा देश के प्रतिष्ठित भौतिकी शिक्षकों में से एक नितिन विजय ने मानव रचना शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों से प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं, मानसिक स्वास्थ्य और बदलते शिक्षा परिदृश्य पर संवाद किया। मोशन एजुकेशन का नेटवर्क देशभर में 80 से अधिक केंद्रों में फैला है, जो प्रतिवर्ष हजारों छात्रों का मार्गदर्शन करता है। जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में संस्थान ने 65.8 प्रतिशत की सफलता दर दर्ज की, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही, और इसके कई छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप रैंक भी हासिल की। छात्रों के साथ संवाद के दौरान नितिन विजय ने प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से जुड़े बढ़ते तनाव, बर्नआउट और दबावपूर्ण संस्कृति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अत्यधिक परिश्रम से हटकर स्मार्ट तैयारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ह्समस्या प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि यह धारणा है कि दबाव ही सफलता का एकमात्र रास्ता है। व्यवस्था को ओवरवर्क से स्मार्ट वर्क की ओर बढ़ना होगा। बेहतर टाइमटेबल, नियमित मूल्यांकन, स्पष्ट अल्पकालिक लक्ष्य और काउंसलिंग को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। जब तैयारी सही दिशा में होती है, तो उत्कृष्टता और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं होते, बल्कि एक-दूसरे के पूरक होते हैं। नितिन विजय ने डिजिटल टूल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के शिक्षा पर पड़ते प्रभावों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ह्एआई और ऑनलाइन कंटेंट ने जानकारी को व्यापक रूप से सुलभ बना दिया है, लेकिन जानकारी और मार्गदर्शन में स्पष्ट अंतर है। आज कोचिंग की भूमिका केवल अवधारणाएं पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों को सही प्रश्न पूछने, अपनी गलतियों का विश्लेषण करने और अनुशासन विकसित करने में मदद करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पारंपरिक कोचिंग अब शिक्षक-केंद्रित से छात्र-केंद्रित प्रणाली की ओर विकसित हो रही है, जहां तकनीक एक सहायक के रूप में काम करती है, विकल्प के रूप में नहीं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली सफलता अक्सर अधूरी सच्चाई होती है।

बर्फीली ठंड ने बढ़ाई खादी की गर्माहट, प्रदर्शनी में उमड़ा भरोसा

* कश्मीर की शॉल से लेकर स्वदेशी स्वेटर तक की जमकर हो रही खरीदारी

* 10 दिवसीय इस प्रदर्शनी के तीसरे दिन तक कुल बिक्री 71 लाख के पार

-सुरेश गांधी

वाराणसी. बर्फीली हवाओं और पहाड़ी बारिश के बाद अचानक बढ़ी कंपकंपाती ठंड ने शहर की रफ्तार भले ही कुछ देर के लिए थाम दी हो, लेकिन खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में गर्म कपड़ों की मांग को नई रफ्तार जरूर दे दी है। मंगलवार को ठंड के तीखे तेवरों के बीच न सिर्फ बाजारों में रौनक लौटी, बल्कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित मंडलीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में खरीदारी का उत्साह चरम पर दिखाई दिया।

प्रदर्शनी में खासतौर पर कश्मीरी शॉल, सूट, जैकेट और ऊनी स्वेटरों की जबरदस्त मांग देखी गई। लोग न केवल ठंड से बचाव के लिए, बल्कि स्वदेशी और टिकाऊ उत्पादों की ओर बढ़ते भरोसे के साथ इन वस्त्रों की खरीद करते नजर आए। 10 दिवसीय इस प्रदर्शनी के तीसरे दिन तक कुल बिक्री 71 लाख रुपये के आंकड़े को पार कर जाना, इसी भरोसे और बदलते उपभोक्ता रुझान का प्रमाण है।

जिला उद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि मंगलवार को अकेले 71 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जो यह दर्शाती है कि उपभोक्ता अब स्वदेशी उत्पादों को केवल विकल्प नहीं, बल्कि प्राथमिकता के रूप में अपना रहे हैं। खादी और ग्रामोद्योग के उत्पाद न सिर्फ गुणवत्ता और उपयोगिता में बेहतर हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। प्रदर्शनी में आज जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य ने लगभग सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और प्रदर्शकों से संवाद कर उनके अनुभव जाने। उन्होंने ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां ग्रामीण भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखती हैं।

इस प्रदर्शनी में कुल 125 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 22 खादी स्टॉल और 103 ग्रामोद्योग स्टॉल शामिल हैं। शहद, मसाले, मिट्टी और लकड़ी से बने हस्तशिल्प उत्पाद खास तौर पर लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इन उत्पादों में जहां परंपरा और शुद्धता की झलक है, वहीं आत्मनिर्भर भारत की सोच भी साफ दिखाई देती है। खास बात यह है कि उपभोक्ताओं को खादी वस्त्रों पर 30 प्रतिशत तक की छूट का लाभ मिल रहा है, जिससे मध्यम वर्ग और युवा खरीदारों की भागीदारी और बढ़ी है। ठंड के मौसम में सस्ती, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण गर्म वस्त्रों की यह उपलब्धता लोगों को खादी की ओर स्वाभाविक रूप से खींच रही है। कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी सिर्फ बिक्री का मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण कारीगरों की मेहनत, स्वदेशी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का जीवंत उदाहरण बनकर उभरी है। ठंड की तपिश में खादी की गर्माहट, आज सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर रही है।

रंगीन दीयों से साकार हुई भारत माता की भव्य मोजेक कलाकृति, विश्व रिकॉर्ड दर्ज

डोंबिवली। डोंबिवली में 2.5 लाख रंग-बिरंगे दीयों से साकार की गई भारत माता की अद्भुत मोजेक कलाकृति इस समय सभी का ध्यान आकर्षित कर रही है। रंगीन दीयों के माध्यम से तैयार की गई इस भव्य कलाकृति ने एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार की ओर से इस अभिनव और अनूठी कलाकृति का निर्माण किया गया है। इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग कलाकृति को देखने के लिए डोंबिवली जिमखाना मैदान पर हजारों की संख्या में कला-प्रेमी दर्शक उमड़ रहे हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण डोंबिवली जैसे मराठी साहित्य, संस्कृति और कला क्षेत्र का जन्मस्थल माने जाने वाले शहर का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस अनोखे उपक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत माता का पूजन बचपन से मिले संस्कारों का हिस्सा है, और भारत माता के गुणगान व वंदन का प्रतीक राष्ट्रगीत ही वंदे मातरम है। इस श्रद्धा और आस्था से जुड़े वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डोंबिवली में एक विश्व रिकॉर्ड बनाने का निर्णय डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार द्वारा लिया गया। प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कलाकार चेतन राउत, प्रभु कापसे और वैभव कापसे की पिताजीपुत्र जोड़ी सहित अन्य कलाकार साथियों की सराहना करते हुए कहा कि इन सभी ने लगातार नौ दिनों तक मेहनत कर दीयों को रंगते हुए अपनी कलात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि भारत माता हमारे लिए देवी स्वरूप हैं, इसलिए सनातन संस्कृति में हम उनका पूजन करते हैं। हम सभी उसी धरती की संतान हैं, और उसी मिट्टी से बने दीयों से मोजेक तैयार करने की कल्पना से भारत माता और वंदे मातरम गीत को एक अनोखी मानवंदना देने का संकल्प लिया गया।

किसानों की आत्महत्याओं पर नाना पाटेकर की दो टूक

संजय घोड़ावत यूनिवर्सिटी में छात्रों को किया संबोधित

मुंबई। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की सबसे हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में 10,786 से ज्यादा किसानों और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की, जिनमें से 38.5% से ज्यादा महाराष्ट्र के थे। एक दशक से ज्यादा समय से, दिग्गज अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता नाना पाटेकर अपने नाम फाउंडेशन के जरिए अन्नदाताओं का समर्थन कर रहे हैं। हाल ही में, 'दिलखुलास विद नाना पाटेकर' कार्यक्रम के दौरान संजय घोड़ावत यूनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित करते हुए अभिनेता ने कहा, इन आत्महत्याओं को सहानुभूति से देखें। ये हमारे ही लोग हैं। छात्रों को जीवन और मृत्यु की कठोर सच्चाई समझाते हुए उन्होंने कहा, जब कोई मृत्यु की सच्चाई को स्वीकार कर लेता है, तो जीवन सुंदर हो जाता है। किसानों की आत्महत्याओं या अन्य संकटों से मुंह न मोड़ें, कठिन सच्चाइयों का सामना करें। तभी आप असली मकसद के साथ जीना शुरू करते हैं, उन्होंने आगे कहा। यूनिवर्सिटी के चेयरमैन संजय घोड़ावत ने नाना पाटेकर के शानदार अभिनय करियर के साथ-साथ नाम फाउंडेशन के माध्यम से उनकी सराहनीय सामाजिक पहलों पर भी प्रकाश डाला। किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, घोड़ावत ने आश्वासन दिया कि संजय घोड़ावत यूनिवर्सिटी नाम फाउंडेशन के सहयोग से कोल्हापुर जिले में जिला परिषद के प्राथमिक स्कूलों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। दिग्गज अभिनेता ने अपने संबोधन के दौरान छात्रों को प्रेरित और प्रबुद्ध किया और कहा, जानकारी ज्ञान नहीं है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे सिर्फ सोशल मीडिया पर निर्भर न रहें, बल्कि गहरी पढ़ाई करें और जीवन को समझें। उन्होंने उनसे उपलब्ध संसाधनों को महत्व देने, आत्मनिर्भर बनने, राष्ट्रीय हित के नजरिए से जाति, धर्म और राजनीति का अध्ययन करने और जरूरत पड़ने पर निडर होकर ज़िम्मेदारियाँ उठाने का आग्रह किया।

विधायक रमेश चंद्र मिश्र की भाभी का आकस्मिक निधन

जौनपुर। बदलापुर के भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र की भाभी रीता मिश्रा का 49 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन हो गया। वह अपने पति उमेश मिश्र, दो लड़के और एक लड़की के साथ जौनपुर के हुसैनाबाद में रहती थी। उनके निधन की खबर मिलते ही चारों तरफ शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही रमेश चंद्र मिश्रा लखनऊ विधानसभा सत्र बीच में ही छोड़कर घर के लिए रवाना हो गए। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक रमेश उपाध्याय, विधायक रमेश सिंह, पूर्व विधायक बाबा दुबे, कुंवर जय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, भाजपा नेता अखिल मिश्र, पूर्व जिला महासचिव सुशील मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार मधुकर तिवारी, बीजेपी नेता मृगेंद्र सिंह, सुनील तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, अमित मिश्र, नगर पंचायत अध्यक्ष बदलापुर सीमा सिंह, उन्नत सिंह, कांग्रेस नेता विकेश उपाध्याय, सुगु मिश्र, संदीप पाठक, सनी शुक्ला समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवासंघ की सत्यनारायण महापूजा सम्पन्न

-लाल शेखर सिंह

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवासंघ द्वारा सीएसटी डिपो पर आयोजित सत्यनारायण महापूजा बड़ी भव्यता और भक्तिभाव से सम्पन्न हुई। सत्यनारायण महापूजा में सभी कंपनियों के सेल्समैन और विक्रेताओं और मुम्बई के सभी बड़े संगठनों ने श्रद्धाभाव से सम्मिलित होकर उत्साह पूर्वक सत्यनारायण महापूजा आयोजन को सफल बनाया। सत्यनारायण महापूजा को स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवासंघ के उदय शिंदे राजा ताने अशोक पाठक नितिन सिंह राजवंत सिंह भूलेंद्र सिंह अभिमन्यु सिंह रविंद्र सिंह प्रिंस सिंह अर्जुन सिंह दिनेश यादव रमेश यादव अखिलेश यादव विश्वनाथ यादव मनोज यादव आशुतोष सिंह संजीव सिंह शैलेश सिंह गोमती सिंह एसके दुबे सुनील सिंह दिवाकर सिंह विनय सिंह यशवंत सिंह आदि लोग सफल बनाने में निष्ठा पूर्वक लगे रहे। गौरतलब है कि स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवासंघ हमेशा निष्ठा और ईमानदारी से बिना किसी भेदभाव के सामाजिक मदद के लिए तैयार रहता है। संस्था के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य मानव सेवा को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए सभी जाति, वर्ग के लोगों की सहायता करते हैं।

अतिक्रमण चला पुलिस का अभियान दर्जनों का हुआ चलान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कमिश्नर वाराणसी के आदेश पर आदमपुर पुलिस ने रोड के किनारे पटरी पर लगाये दुकान को हटवाया। वही दर्जनों लोगो का चलान भी किया मंगलवार की सायं: काल आदमपुर थाना क्षेत्र के प्रहलाद घाट से लेकर काशी स्टेशन तक पुलिस ने रोड पर अतिक्रमण किये लोगो का चलान किया। तो वही सख्त लहजे मे दी चेतावनी दुबारा मिलने पर मुकदमा दर्ज कर जब्त कर लिया जायेगा। समान वही नाली कब्जा किये एक दर्जन लोगो को चेतावनी भी दी गई। इस दौरान पुलिस के अभियान से पटरी दुकनदारों मे हड़कम्प मच गया। अभियान का नेतृत्व आदमपुर थान प्रभारी विमल मिश्रा कर रहे थे। जिनके साथ चौकी इंचार्ज आदमपुर तेलियानाला समेत महिला सब स्पेक्टर सहित भारी पुलिस बल मौजूद थी।

मेड़ता तहसील महेश्वरी परिषद का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

मुंबई। मेड़ता तहसील महेश्वरी परिषद द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव में माहेश्वरी समाज के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित हुए। माहेश्वरी भवन अंधेरी पश्चिम मुंबई में आयोजित इस समारोह में डॉ. बी.आर. जाजू ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि रमेश चांडक ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम मोबाइल के गुलाम हो गए है, दिन में पंद्रह मिनट बिना मोबाइल के पूरे परिवार के साथ बैठने की आदत शुरू करनी चाहिए। इस अवसर पर हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें लाफ्टर चैंपियन फेम सुनील सावरा, राना तबस्सुम, डाक्टर राज बुंदेली ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरेश मिश्र ने जहां अपनी हास्य कविता से श्रोताओं को लोटपोट किया वहीं अपनी *बेटी को खत* कविता सुनाकर लोगों की आंखों को नम कर दिया। आयोजन समिति के लाल चंद दरक,ब्रिजमोहन फोफालिया, राधेश्याम दालिया सहित पूरी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अथक प्रयत्न किया। अंत में बी आर जाजू ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

जमीन विवाद में महिला से मारपीट, जान से मारने की धमकी का आरोप

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के बघेरी गांव में जमीन विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना बरसठी में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्राम बघेरी निवासी चंदा देवी पत्नी हरविंद गौतम का आरोप है कि दिनांक 19 दिसंबर 2025 को वह अपने खेत में काम कर रही थीं। काम समाप्त होने के बाद जब उन्होंने देखा तो विपक्षी पक्ष द्वारा उनकी जमीन पर अधिक जुताई कर जबरन प्याज की फसल बो दी गई थी। जब इस संबंध में पूछताछ करने के लिए वह विपक्षियों के घर पहुंचीं, तो वहां मौजूद लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार विपक्षी जितेंद्र गौतम, उनकी पत्नी सरिता गौतम, सुनील गौतम व सुजीत गौतम ने मिलकर उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह बीच-बचाव कर पीड़िता अपनी जान बचाकर वहां से निकल पाई। घटना के बाद पीड़िता इलाज के लिए थाने पहुंचीं और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महज 16 साल की माइनर लड़की से जिस्मफरोशी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई के नामचीन ऑर्केस्ट्रा बार MBVV क्राइम ब्रांच के रडार पर है। आज महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के भायंदर पुलिस स्टेशन की हद में मैक्सेस मॉल के पास एक महीला दलाल माइनर और मेजर लड़कीयों के फोटो भेजकर देहव्यापार के लिये लडकीयां सप्लाई का कारोबार चला रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर , अवैध देहव्यापार रैकेट का पदार्फाश किया। यह कार्रवाई महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बाल कांचे संरक्षण व कालाजी कक्ष मि. भा. व. वि की सीनीयर ढक शीतल मुंडे (क्राइम ब्रांच) और उनकी टीम द्वारा पूरी सटीकता और दक्षता के साथ की गई। क्राइम ब्रांच की टीम ने मैक्सेस मॉल के पास बोगस ग्राहक को भेजकर मौके से एक माइनर 16 साल और एक मेजर 20 साल टोटल 2 पीड़ीत लड़कीयों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया और एक महिला दलाल को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही हैं कि 16 साल की माइनर लड़की, कौन कौन से मुंबई के नामचीन ऑर्केस्ट्रा बार में काम करती थी, महिला एजेंट ने वेश्यावृत्ति का गैरकानूनी नेटवर्क कैसे तैयार किया। प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि यह मामला मुंबई के नामी ऑर्केस्ट्रा बार से जुड़ा हो सकता है। महिला एजेंट मुंबई के नामचीन ऑर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लड़कियों से जिस्मफरोशी का कारोबार करवा रही थी, इस गिरोह में महिला एजेंट के कितने और साथीदार है उसकी भी जांच पड़ताल क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है। सीनीयर ढक शीतल मुंडे और उनकी टीम मानव तस्करी और देहव्यापार जैसे घिनौने अपराधों के खिलाफ समाज में सख्त संदेश देते है। नागरिकों से अपील है कि किसी भी संदिग्ध जिस्मफरोशी के रेकेट या महिला अत्याचार की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि ऐसे अपराध जड़ से खत्म किए जा सकें। आने वाले कुछ दिनों में मीरा भायंदर के ऑर्केस्ट्रा बार में भी इस तरह की गतिविधि पर बड़ी कार्रवाई होने की संभावना है। सीनीयर ढकशीतल मुंडे और उनकी टीम ने एक महीला दलाल को अरेस्ट और एक पुरुष आरोपी (वांटेड) के उपर BNS ,पीटा कायदा और पॉक्सो एक्ट के तहत कानूनी कारवाई करके एक माइनर 16 साल की लडकी व एक मेजर लडकी 20 साल की टोटल 2 लडकियो को महिला सुधारगृह में भेज दिया गया। इस तरह महिला एजेंट के चंगुल से एक नाबालिग लडकी को रेस्क्यू करके जिस्मफरोशी के रेकेट का भंडाफोड़ करके BNS, पिटा एक्ट और पोक्सो एक्ट के तहत कानूनी कारवाई MBVV पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, एवं क्राइम ब्रांच DCP संदीप डोईफोडे ACP मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बालकाचे संरक्षण व कालाजी कक्ष मीरा भायंदर वसई विरार की सीनियर PI शीतल मुंडे, अरक राजाराम आसवाले, HC चेतन राजपूत, महिला पुलिस HC निशिगंधा मांजरेकर, शीतल जाधव, LPC प्रिया चव्हाण, सुरेखा मेडम, PC ललित पाटील, घनश्याम खैरनार और क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त रूप से की।

काशी में आज से कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट का शंखनाद

वाराणसी। काशी की पत्रकारिता परंपरा और खेल संस्कृति का अनूठा संगम एक बार फिर मैदान पर उतरने जा रहा है। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के तत्वावधान में 38वीं कनिष्कदेव गोरावाला स्मृति मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 24 दिसंबर से डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो रहा है। यह आयोजन पत्रकारों के बीच खेल भावना, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का सशक्त मंच माना जाता है।

खेल आयोजन समिति के संयोजक कृष्ण बहादुर रावत के अनुसार यह प्रतियोगिता आनन्द चंदोला खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। पहले चरण में होने वाली इस मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में इस वर्ष कुल छह टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिन्हें दो ग्रुपों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पराड़कर एकादश, विद्या भास्कर एकादश और ईश्वर देव मिश्र एकादश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में गर्दे एकादश, लालजी एकादश और हृदय प्रकाश एकादश की टीमें मैदान में उतरेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला 24 दिसंबर को विद्या भास्कर एकादश और पराड़कर एकादश के बीच पूर्वाह्न 10 बजे से खेला जाएगा। लीग चरण के बाद दोनों ग्रुपों की शीर्ष टीमें 31 दिसंबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी, जो न सिर्फ विजेता का फैसला करेगा, बल्कि वर्ष के अंत में खेल और पत्रकारिता के उत्सव को भी नई ऊंचाई देगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार करेंगे। आयोजन को लेकर प्रेस क्लब और पत्रकारों में खासा उत्साह है। कनिष्कदेव गोरावाला स्मृति मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि काशी की पत्रकारिता को जोड़ने वाला वह मंच है, जहां कलमकार मैदान में भी अपनी टीम भावना और अनुशासन का परिचय देते हैं।

शिवसेना वडाला विधानसभा में उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ को मिला नया नेतृत्व

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए वडाला विधानसभा क्षेत्र में उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के लिए नई नियुक्ति की गई है। उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे साहब के आदेश तथा पूर्व सांसद राहुल शेवाले के मार्गदर्शन में संजय मिश्रा को शिवसेना वडाला विधानसभा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ का विधानसभा प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एक वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी। नियुक्ति पत्र शिवसेना के वडाला विभाग प्रमुख सुनील विष्णु मोरे द्वारा जारी किया गया। इस मौके पर सुनील गुप्ता शाखा प्रमुख मौजूद रहे। अपने संदेश में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संजय मिश्रा, हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा और धर्मवीर आनंद दिघे की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करेंगे। साथ ही संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साथ लेकर सक्रिय रूप से कार्य करने की अपेक्षा जताई गई है। इस अवसर पर शिवसेना की ओर से संजय मिश्रा को शुभकामनाएँ दी गईं।

एचडीएफसी बैंक ने सीएसआर रिपोर्ट का पहला संस्करण जारी किया

पटना। एचडीएफसी बैंक ने अपनी पहली स्टैंडअलोन सालाना सीएसआर रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, जिसमें बैंक के अंब्रेला प्रोग्राम, परिवर्तन के जरिए सामाजिक प्रभाव की एक दशक लंबे सफर को दिखाया गया है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहलों पर 1,068.03 करोड़ रुपए खर्च करने की रिपोर्ट पेश की है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 123 करोड़ रुपए ज्यादा है। बैंक ने सीएसआर कार्यक्रमों में कुल मिलाकर, 31 मार्च, 2025 तक 6,176 करोड़ रुपए का निवेश किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में परिवर्तन के 10 साल भी पूरे हुए, जिसके तहत एचडीएफसी बैंक ने 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 10.56 करोड़ लोगों के जीवन को छुआ है। एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर कैजाद भरूचा ने कहा कि हमारा मानना है कि सार्थक बदलाव सुनने, सीखने और समुदायों के साथ पार्टनरशिप में काम करने से आता है। परिवर्तन लोगों और संस्थानों को उनकी क्षमता को अनलॉक करने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने में एक छोटी भूमिका निभाने के हमारे लगातार प्रयास को दिखाता है। पिछले दस सालों में परिवर्तन के तहत हमारे प्रयासों को इस सोच से गाइड किया गया है कि विकास समावेशी, स्थानीय रूप से प्रासंगिक और भविष्य पर केंद्रित होना चाहिए। बैंक ने अपनी ग्रामीण विकास पहलों के तहत 298 सीमावर्ती गांवों को भी कवर किया है।

हैबिल्ड के 'थोड़ा सा पॉज' अभियान से जुड़े 2 लाख लोग

मुंबई। इस वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर, हैबिल्ड ने एक अनोखी मिसाल पेश की। भारत समेत दुनिया के 2000 से ज्यादा शहरों में 2 लाख से अधिक लोग एक साथ आए–किसी बड़े आयोजन के लिए नहीं, बल्कि भागदौड़ भरी जिंदगी से सुकून के कुछ पल चुराने के लिए। हैबिल्ड की इस पहल 'थोड़ा सा पॉज' के तहत लोगों ने अपनी व्यस्त दिनचर्या को कुछ देर के लिए रोका और साथ मिलकर सांसों के अभ्यास के जरिए मानसिक शांति का अनुभव किया।

हैबिल्ड की इस मुहिम ने ध्यान को भारी-भरकम नियमों और घंटों की तपस्या से आजाद कर दिया। इसमें जोर सिर्फ 'रुकने' और गहरी सांस लेने पर था। मकसद बेहद साफ था–लोगों को यह एहसास दिलाना कि खुद से जुड़ने के लिए बहुत ज्यादा वक्त या कोशिश की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी एक छोटी सी शुरुआत या एक 'पॉज' ही बड़े बदलाव की नींव रखता है। इस दौरान देश-विदेश के 2000 से अधिक शहरों में लोगों ने एक साथ गाइडेड सेशन में हिस्सा लिया। यह सामूहिक ठहराव न केवल मन की शांति के लिए था, बल्कि यह वैश्विक सद्भाव का प्रतीक भी बना। यह आयोजन हैबिल्ड की 2024 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि को आगे बढ़ाता है, जब पहले विश्व ध्यान दिवस पर 2.87 लाख लोगों ने एक साथ ध्यान कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह आंकड़े बताते हैं कि भारत अब 'माइंडफुल लिविंग' (सजग जीवनशैली) की ओर कितनी तेजी से बढ़ रहा है। इस मौके पर हैबिल्ड के को-फाउंडर और योग शिक्षक, सौरभ बोथरा ने कहा, ह्हम अक्सर खुद से वादा करते हैं कि कल से करेंगे, या जब फुर्सत मिलेगी तब करेंगे। लेकिन सच यह है कि सुकून किसी 'परफेक्ट टाइम' का इंतजार नहीं करता। यह उसी पल मिलता है, जब हम खुद के लिए वक्त निकालते हैं। इस बार हमने लोगों से अपनी लाइफस्टाइल बदलने को नहीं कहा, बस 'थोड़ा सा पॉज' लेने की गुजारिश की। क्योंकि यही छोटी सी शुरुआत, धीरे-धीरे एक अच्छी आदत बन जाती है। विश्व ध्यान दिवस का मूल उद्देश्य यही है कि लोग रुकें, विचार करें और मानसिक संतुलन पाएं। 'थोड़ा सा पॉज' के जरिए हैबिल्ड ने यही संदेश दिया कि मेडिटेशन कोई डराने वाली चीज नहीं है। इसकी शुरुआत सिर्फ एक गहरी सांस और एक छोटे से ठहराव से हो सकती है।

धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के थानागद्दी क्षेत्र के धर्मशाला में मंगलवार को सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण की दिशा में कार्यरत आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था की प्रोजेक्ट ह्मेरी मुस्कानह्ने के तहत निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ डॉ संदीप पांडेय ने फीता काटकर किया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा नेत्र रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान शिविर में 120 मरीज पहुंच अपना नेत्र परीक्षण कराया। वाराणसी के मशहूर नेत्र रोग विशेषज्ञ भूतपूर्व चिकित्सक नेत्र विशेषज्ञ डॉ मनोहर सिंह ने शिविर में पहुंचे सैकड़ों लोगों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण कर आवश्यक परामर्श देते हुए मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल में कराने की बात को कही।

अटल महाकुंभ में सुप्रसिद्ध गायक सुरेश वाडकर को दिया जाएगा अटल सम्मान

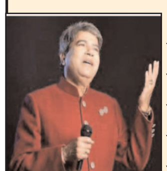

मुंबई। भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर गुरुवार 25 दिसंबर, 2025 को शाम साढ़े छह बजे से अटल महाकुंभ का आयोजन विलेपार्ले पूर्व स्टेशन के पास स्थित दीनानाथ मंगेशकर हॉल में किया गया है। पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्र की संस्था दीप कमल फाउंडेशन द्वारा अटलजी की जीवनी पर अटल जीवन.. अटल कहानी.. नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। पिछले 20 वर्षों से फाउंडेशन द्वारा अटल महाकुंभ का आयोजन किया जाता रहा है। समारोह में सुप्रसिद्ध गायक सुरेश वाडकर को अटल सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, कौशल्य विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा आदि उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता विधायक श्री अमित साटम करेंगे। अभिनेता मनोज जोशी, अभिनेत्री गिरिजा ओक और गायिका संजीवनी भेलांडे अटलजी की कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने समारोह में उपस्थित रहने का लोगों से निवेदन किया है।